जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 6 नवम्बर, 2026

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

सोने जैसी ज़मीन पर
कोठी खरीदो

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर



FLAT STARTS ~~74 Lacs~~ @64 Lacs | KOTHI STARTS ~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

AJMER ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2023/2387

Kedia's THE KOTHI
भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ




KOTHI STARTS ~~50 Lacs~~ @40 Lacs

SIRSI ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2021/1523

A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए.




SHOP ~~30 Lacs~~ @20 Lacs | KOTHI STARTS ~~70 Lacs~~ @60 Lacs

PRATAP NAGAR , JAIPUR
RERA No. RAJ/P/2022/1900

KEDIA'S
Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS




2BHK ~~37 Lacs~~ @27 Lacs | 3BHK ~~45 Lacs~~ @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2017/178

इस धनतेरस

KEDIA® | info@kedia.com | www.kedia.com | 78770-72737 | 1800-120-2323 | SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH *T&C Apply

KEDIA™ Pavitra

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

सोना नहीं कुकिंग ऑयल भी
24 कैरेट खरीदो

केमिकल एसिड से रिफाइंड नहीं
केमिकल फ्री **अन-रिफाइंड** कुकिंग ऑयल




**कच्ची घानी सरसों तेल**
- पहली धार से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाला कच्ची घानी तेल
- COLD PRESSED OIL
- तेज झांझ (0.36 झांझ)

**ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल**
- सोर्टेक्स क्लीन मूंगफली दानों से निर्मित
- TRIPLE FILTERED
- Low FFA (0.50 से कम)

MRP : ₹300 1 Ltr
MRP : ₹300 1 Ltr

रिटेलर और होलसेलर सम्पर्क करें ! 1800-120-2727

आटा | दलिया | सूजी | बेसन | सत्तू | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | हींग | कुकिंग ऑयल | ड्राई फ्रूट्स | फ्लेवर्ड मखाना | गुड़ | मिश्री | सेंधा नमक | पोहा और चाय सहित कम्प्लीट किचन बास्केट

AVAILABLE ON: blinkit zepto

## विचार बिन्दु

जीवन का एक क्षण करोड़ स्वर्ण मुद्राएं देने पर भी नहीं मिलता। –चाणक्य

# राजस्थान में रोजगार की राह हुई आसान

राजस्थान जैसे विशाल राज्य में रोजगार केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह युवाओं के भविष्य, परिवारों की गरिमा, गाँवों के विकास और राज्य की सामाजिक स्थिरता से जुड़ा हुआ विषय है। बढ़ती जनसंख्या, शिक्षा का विस्तार और युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं के बीच रोजगार के अवसरों का होना अत्यंत आवश्यक हो गया है। लंबे समय से राजस्थान के युवाओं के सामने यह समस्या रही है कि शिक्षा पूरी करने के बाद भी उन्हें उपयुक्त नौकरी, प्रशिक्षण या स्वरोजगार के अवसर नहीं मिल पाते थे। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के युवा, महिलाएँ, दिव्यांगजन और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग रोजगार की जानकारी तक पहुँचने में कठिनाई महसूस करते थे। इसी परिस्थिति में राज्य सरकार ने कई योजनाओं, नीतियों और संस्थागत प्रयासों के माध्यम से रोजगार की राह को आसान बनाने का प्रयास किया है। राजस्थान की रोजगार नीति-2026 का लक्ष्य मार्च 2029 तक लगभग 15 लाख रोजगार अवसर सृजित करना है, जिसमें वेतनभोगी नौकरियाँ, स्वरोजगार और उद्यमिता तीनों को सम्मिलित किया गया है।

राजस्थान में रोजगार की समस्या केवल नौकरियों की कमी की समस्या नहीं है। इसके पीछे कौशल और उद्योग की माँग के बीच का अंतर, ग्रामीण क्षेत्रों में निजी निवेश की कमी, रोजगार की जानकारी तक सीमित पहुँच, प्रवास की बाध्यता और महिलाओं की कम सहभागिता जैसी समस्याएँ भी हैं। बड़े शहरों के युवा जहाँ कुछ हद तक निजी क्षेत्र, आईटी, सेवा क्षेत्र और व्यापार से जुड़ पाते हैं, वहीं गाँवों के युवाओं के लिए विकल्प अक्सर सीमित रहते हैं। कई युवा शिक्षा के बाद भी ऐसे कौशल से वंचित रह जाते हैं जो उन्हें रोजगार दिला सकें। इसीलिए राज्य सरकार ने रोजगार को केवल सरकारी भर्ती से नहीं जोड़ा, बल्कि उसे कौशल विकास, इंटर्नशिप, उद्यमिता, डिजिटल प्लेटफॉर्म और निजी क्षेत्र की भर्ती से जोड़ने की दिशा में कदम उठाए हैं।

इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण पहल मुख्यमंत्री युवा संबल योजना है, जिसे आम भाषा में बेरोजगारी भत्ता योजना के नाम से भी जाना जाता है। यह योजना शिक्षित बेरोजगार युवाओं को केवल आर्थिक सहायता नहीं देती, बल्कि उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने का प्रयास भी करती है। इस योजना के तहत पात्र पुरुष आवेदकों को प्रतिमाह 4,000 रुपये तथा महिलाओं, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और दिव्यांग आवेदकों को प्रतिमाह 4,500 रुपये का भत्ता दिया जाता है। यह भत्ता अधिकतम दो वर्ष तक या रोजगार मिलने तक दिया जा सकता है। इस योजना की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इसमें भत्ता पाने वाले युवाओं को केवल घर बैठे धनराशि प्राप्त नहीं होती। उन्हें सरकारी विभागों में प्रतिदिन निर्धारित समय की इंटर्नशिप करनी होती है। इससे वे कार्यालयीन कार्यप्रणाली, संचार कौशल, दस्तावेजों से जुड़ी प्रक्रिया और व्यावहारिक कार्य अनुभव प्राप्त करते हैं। यह अनुभव भविष्य में निजी क्षेत्र या सरकारी क्षेत्र में नियुक्ति के लिए उनकी तैयारी को मजबूत बनाता है। योजना का मूल उद्देश्य युवाओं को आर्थिक सहारा देने के साथ-साथ उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री युवा संबल योजना का लाभ पाने के लिए आवेदक का राजस्थान का मूल निवासी होना, निर्धारित आयु सीमा में होना, वास्तव में बेरोजगार होना और परिवार की वार्षिक आय निर्धारित सीमा से कम होना आवश्यक है। रिपोर्टों के अनुसार सामान्य वर्ग के पुरुष आवेदकों के लिए आयु सीमा 30 वर्ष तथा महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ट्रांसजेंडर और दिव्यांग आवेदकों के लिए 35 वर्ष तक रखी गई है। इन प्रावधानों से स्पष्ट है कि सरकार ने उन वर्गों को प्राथमिकता दी है जो सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से अधिक संवेदनशील माने जाते हैं।

इस योजना की उपलब्धि भी उल्लेखनीय है। रिपोर्टों के अनुसार इसके माध्यम से चार लाख से अधिक युवाओं को 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। यह राशि केवल आँकड़ा नहीं है; यह उन हजारों परिवारों की आर्थिक राहत का प्रतीक है जिनके युवा नौकरी की तलाश में आर्थिक तंगी झेल रहे थे। भत्ते से युवा कम से कम अपनी आवश्यकताएँ पूरी कर सकते हैं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रख सकते हैं और रोजगार के लिए आवश्यक प्रशिक्षण ले सकते हैं।

राजस्थान सरकार ने रोजगार के क्षेत्र में एक व्यापक नीतिगत दृष्टिकोण भी अपनाया है। राजस्थान रोजगार नीति-2026 केवल घोषणाओं का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह राज्य के युवाओं को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है। इस नीति में सरकारी नौकरियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र में नियुक्ति, स्वरोजगार, स्टार्टअप, उद्यमिता और कौशल आधारित रोजगार पर विशेष बल दिया गया है। इसका लक्ष्य मार्च 2029 तक 15 लाख रोजगार अवसर सृजित करना है। यह लक्ष्य बड़ा अवश्य है, परंतु इसकी दिशा सही है, क्योंकि इसमें रोजगार को एक व्यापक अवधारणा के रूप में देखा गया है।

रोजगार नीति की एक महत्वपूर्ण पहल एकीकृत डिजिटल मंच की योजना है। इसके तहत राजस्थान रोजगार पोर्टल, रोजगार कार्यालय और ई-जॉब फेयर को आपस में जोड़ा जाएगा। इससे युवा घर बैठे रोजगार की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, अपनी योग्यता के अनुसार आवेदन कर सकेंगे और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के अवसरों से भी जुड़ सकेंगे। डिजिटल प्रणाली से पारदर्शिता बढ़ेगी, क्योंकि आवेदन, पात्रता, भुगतान और इंटर्नशिप से जुड़ी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होगी। इससे बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी और युवाओं को सीधे सरकारी व्यवस्था से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

रोजगार नीति में रोजगार प्रोत्साहन योजना के तहत एक और महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत पहली बार निजी क्षेत्र में नौकरी पाने वाले युवाओं को 10,000 रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है। यह राशि छोटी अवश्य है, परंतु इसका संदेश बड़ा है। यह युवाओं को यह बताती है कि निजी क्षेत्र भी सम्मानजनक रोजगार का माध्यम है और सरकार उन्हें इस दिशा में प्रोत्साहित करना चाहती है। साथ ही, नौकरी शुरू करने के प्रारंभिक दिनों में आने वाली आर्थिक कठिनाई को कम करने में यह राशि सहायक सिद्ध हो सकती है।

रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए केवल डिग्री या डिप्लोमा पर्याप्त नहीं होते। आज के प्रतिस्पर्धी युग में व्यावहारिक कौशल, तकनीकी ज्ञान और उद्योग की माँग के अनुसार प्रशिक्षण अनिवार्य हो गया है। राजस्थान सरकार ने इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास पर विशेष जोर दिया है। युवाओं को सिलाई, कंप्यूटर, मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिकल, प्लंबिंग, ब्यूटी एंड वेलनेस, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एंट्री, हेल्थकेयर और अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये कौशल युवाओं को नौकरी के लिए ही नहीं, बल्कि अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए भी सक्षम बनाते हैं।

**रोजगार नीति की एक महत्वपूर्ण पहल एकीकृत डिजिटल मंच की योजना है। इसके तहत राजस्थान रोजगार पोर्टल, रोजगार कार्यालय और ई-जॉब फेयर को आपस में जोड़ा जाएगा। इससे युवा घर बैठे रोजगार की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, अपनी योग्यता के अनुसार आवेदन कर सकेंगे और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के अवसरों से भी जुड़ सकेंगे।**

विद्यालय स्तर पर भी व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। राजस्थान परिषद शिक्षा द्वारा जिलावार उद्योगों की मैपिंग की जा रही है, ताकि कक्षा 9 से 12 तक के व्यावसायिक पाठ्यक्रम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को औद्योगिक भ्रमण, ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग और प्लेसमेंट के अवसर दिए जा सकें। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं के लिए महत्वपूर्ण है। अब तक उन्हें अक्सर सिलाई या सैलून जैसे सीमित कार्यों तक ही सीमित रखा जाता था, जबकि इस पहल से उन्हें स्थानीय उद्योगों, तकनीकी प्रशिक्षण और नए रोजगार क्षेत्रों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

राजस्थान में रोजगार मेलों को युवाओं और नियोक्ताओं के बीच सीधा सेतु बनाया गया है। राज्य सरकार ने सभी सात प्रशासनिक मंडलों जयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर और भरतपुर-में मेगा रोजगार मेले आयोजित करने की घोषणा की है। इन मेलों के माध्यम से 50,000 से अधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इन मेलों का महत्व इसलिए भी है कि इनमें केवल नौकरी के फॉर्म भरवाए नहीं जाते, बल्कि उद्यमिता परामर्श, मुद्रा ऋण सुविधा, अप्रेंटिसशिप और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी जानकारी भी दी जाती है। इससे युवा एक ही स्थान पर नौकरी, प्रशिक्षण और स्वरोजगार के विकल्प जान सकते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रोजगार की गारंटी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी शहरों में निजी नौकरियों की उपलब्धता। राजस्थान की अधिकांश आबादी गाँवों में रहती है और कृषि पर निर्भर परिवारों को पूरे वर्ष पर्याप्त कार्य नहीं मिल पाता। इसीलिए ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनाओं का महत्व बढ़ जाता है। केंद्र सरकार की ग्रामीण रोजगार योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को मांग पर रोजगार देने का प्रावधान है, जबकि राजस्थान की राज्य स्तरीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना भी ग्रामीण परिवारों को निर्धारित दिनों का रोजगार उपलब्ध कराती है।

इन योजनाओं से ग्रामीण श्रमिकों को सड़क निर्माण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, तालाब निर्माण, मिट्टी का कार्य और अन्य सार्वजनिक कार्यों में रोजगार मिलता है। इससे न केवल उनकी आय बढ़ती है, बल्कि गाँवों की बुनियादी ढाँचा सुविधाएँ भी सुधरती हैं। जब गाँव में सड़कें, तालाब, जल स्रोत और सार्वजनिक संपत्तियाँ बेहतर होती हैं, तो वहाँ के लोगों को प्रवास करने की बाध्यता भी कम होती है। इस प्रकार ग्रामीण रोजगार योजनाएँ आजीविका और ग्रामीण विकास, दोनों को साथ-साथ आगे बढ़ाती हैं।

राजस्थान सरकार ने महिलाओं, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और दिव्यांगजनों के लिए भी रोजगार योजनाओं में विशेष प्रावधान रखे हैं। मुख्यमंत्री युवा संबल योजना में इन वर्गों को पुरुषों की तुलना में 500 रुपये अधिक मासिक भत्ता दिया जाता है। यह अंतर केवल आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समानता की दिशा में एक व्यावहारिक कदम है। महिलाओं, दिव्यांगजनों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ना राज्य के समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

महिलाओं के लिए घरेलू उद्यम, सिलाई-बुनाई, डेयरी, मोरिंगा खेती, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और डिजिटल सेवाओं से जुड़े अवसर भी बढ़ाए जा रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को ऋण, प्रशिक्षण और बाजार से जुड़ने के अवसर दिए जा रहे हैं। इससे ग्रामीण महिलाएँ आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बन रही हैं और परिवार के निर्णयों में उनकी भागीदारी भी बढ़ रही है। जब महिलाएँ आय अर्जित करती हैं, तो उनका सम्मान, आत्मविश्वास और सामाजिक स्थिति भी सुधरती है।

रोजगार के लिए हर युवा को सरकारी या निजी नौकरी की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए राजस्थान सरकार स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है। युवाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रशिक्षण, परामर्श, ऋण सुविधा और बाजार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुद्रा ऋण जैसी योजनाओं के माध्यम से युवा साइकिल रिपेयरिंग, मोबाइल शॉप, किराना दुकान, ब्यूटी पार्लर, डेयरी, पोल्ट्री, नर्सरी, कपड़ा व्यवसाय, कैटरिंग और डिजिटल सेवाओं जैसे कार्य शुरू कर सकते हैं। रोजगार मेलों में भी उद्यमिता परामर्श और ऋण सुविधा के लिए विशेष स्टॉल लगाए जाते हैं, जिससे युवाओं को व्यवसाय शुरू करने का मार्ग आसान होता है।

राजस्थान रोजगार पोर्टल ने युवाओं के लिए रोजगार खोजने की प्रक्रिया को सरल बनाया है। इस पोर्टल पर युवा अपना पंजीकरण कर सकते हैं, शैक्षणिक योग्यता और कौशल की जानकारी दे सकते हैं, रोजगार मेलों की सूचना प्राप्त कर सकते हैं और नियोक्ताओं से संपर्क कर सकते हैं। इससे युवाओं को रोजगार की तलाश में शहर-शहर भटकना नहीं पड़ता। वे अपने गाँव या शहर से ही रोजगार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। डिजिटल माध्यम से पारदर्शिता बढ़ने से योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुँचने की संभावना भी बढ़ती है।

फिर भी, यह स्वीकार करना आवश्यक है कि राजस्थान में रोजगार के क्षेत्र में जितनी प्रगति हुई है, उतनी ही चुनौतियाँ भी शेष हैं। प्रशिक्षण के बाद नियुक्ति की गारंटी, ग्रामीण क्षेत्रों में निजी निवेश की कमी, उद्योगों का सीमित विस्तार, महिलाओं की कार्यस्थल सुरक्षा और युवाओं को आधुनिक कौशल से जोड़ना अभी भी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। कई बार प्रशिक्षण पूरा होने के बाद युवा को उपयुक्त नौकरी नहीं मिल पाती, जिससे उनका उत्साह कम हो जाता है। इसलिए केवल प्रशिक्षण केंद्र खोलना पर्याप्त नहीं है; प्रशिक्षण के बाद नियोक्ताओं से संपर्क, प्लेसमेंट और कार्यस्थल पर निगरानी भी आवश्यक है।

आगे की राह के लिए राज्य सरकार को औद्योगिक निवेश, स्टार्टअप संस्कृति, कृषि प्रसंस्करण, पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा, खनन और आईटी क्षेत्र में अधिक निवेश करना होगा। राजस्थान में सौर ऊर्जा, पर्यटन, हस्तशिल्प, खनिज, कृषि और पशुपालन की अपार संभावनाएँ हैं। यदि इन क्षेत्रों को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बाजार से जोड़ा जाए, तो लाखों युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है। साथ ही स्कूल और कॉलेज स्तर पर करियर परामर्श को मजबूत करना, इंटर्नशिप की गुणवत्ता सुधारना और रोजगार मेलों में वास्तविक नियुक्तियाँ सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

राजस्थान में रोजगार की राह वास्तव में पहले की तुलना में आसान हुई है। मुख्यमंत्री युवा संबल योजना ने बेरोजगार युवाओं को आर्थिक सहारा दिया है, जबकि रोजगार नीति-2026, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार मेले, डिजिटल पोर्टल और उद्यमिता सहायता ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का मार्ग दिखाया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि ये योजनाएँ केवल कागजी घोषणाएँ न रहें, बल्कि धरातल पर पारदर्शी और प्रभावी रूप से लागू हों। यदि युवाओं को समय पर भत्ता, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, वास्तविक इंटर्नशिप और सम्मानजनक नियुक्ति के अवसर मिलते रहें, तो राजस्थान के युवा केवल नौकरी माँगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले उद्यमी भी बन सकेंगे। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, प्रवास कम होगा और युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा। राजस्थान के लिए यही सच्चा रोजगार क्रांति का मार्ग है।

**–अतिथि संपादक,**
**अविनाश जोशी,**
**वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार**

# सामाजिक समरसता : एक नेक विचार अथवा वर्तमान में मात्र राजनीतिक शोशेबाजी



महावीर सिंह

आपने कुछ राजनीतिक दलों और कुछ सांस्कृतिक संगठनों द्वारा सामाजिक समरसता शब्द का बहुधा उपयोग करते सुना होगा। आइए, इन शब्दों का अर्थ समझने का प्रयास करें।

इसका अर्थ समझने के लिए सर्वप्रथम इस वास्तविकता को स्वीकार करना होगा कि भारतीय समाज विभिन्न वर्गों, धर्मों और जातियों में बंटा हुआ है। तो फिर सामाजिक स्तर पर इन विभिन्न जातियों, धर्मों आदि के लोगों में दैनिक एकल व सामूहिक रूप से सौहार्दपूर्ण व्यवहार के आधार क्या हों? यह समझाने के लिए ही सामाजिक समरसता जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।

समरसता का शाब्दिक अर्थ है- 'समान भाव' या 'सबके साथ एक जैसा तालमेल और सामंजस्य रखना'। विभिन्न प्रकार के लोग, विचार, परिस्थितियाँ होने पर भी उनमें कड़वाहट न हो, बल्कि अपनापन बना रहे। इसे सामाजिक स्तर पर विस्तार दें तो सामान्य समझ कहती है यह तभी संभव है जब जाति, वर्ग, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर बिना किसी भेदभाव के सभी इंसानों को बराबर समझा जाए अर्थात विभिन्न व्यक्तियों और वर्गों के बीच समन्वय, एकता और संतुलन स्थापित करना। इसकी प्राथमिक शर्त है कि हर व्यक्ति को विकास करने का न्यायपूर्ण तरीके से उचित अवसर मिले। बिना इसके, भारत जैसे अनेक प्रकार की विविधताओ वाले देश में,जहां, अलग-अलग संस्कृतियों और परंपराओं के लोग रह ते है सामाजिक समरसता संभव नहीं होगी।

भारत की नई शिक्षा नीति के अनुसार, सामाजिक समरसता के लिए समाज में लोगों के बीच उनके मूल स्थान, नस्लीय मूल, वैवाहिक स्थिति, जातीयता, रंग, लिंग, जाति, आयु, व्यवसाय, राष्ट्रीयता को महत्व न देकर परस्पर प्रेम, विश्वास, प्रशंसा, शांति, सद्भाव, सम्मान और उदारता को महत्व दिया जाना चाहिए।न्यायपूर्ण तरीके से उचित अवसर मिले बिना ऊपर लिखे सद विचारों की प्राप्ति संभव कैसे होगी?

वर्ण/जाति व्यवस्था के संबंध में रूढ़िवादी विचार यह है कि यह दैवीय व्यवस्था है। समाज इस प्रकार गठित हो कि वह सुचारू रूप से चले। इसके लिए भगवान ने स्वयं अपने शरीर के विभिन्न अंगों से मुख से ब्राह्मण, भुजाओं से क्षित्रय, जंघाओं से वैश्य और पैरों से शूद्र बनाए।

दैवीय व्यवस्था के संबंध में गांधीजी के विचार को ध्यान में रखना चाहिए। गांधी जी का स्पष्ट मत था - "हिंदू धर्मशास्त्रों में मेरे विश्वास का यह अर्थ नहीं कि मैं उनके एक-एक शब्द को दैवीय प्रेरणा से उद्भूत मानता हूं। मैं किसी भी व्याख्या को मानने से इनकार करता हूं जो तर्क व नैतिक दृष्टि के प्रतिकूल हो।"

वस्तुत: यह दैवीय व्यवस्था की कल्पना, बुद्धिमान व चालाक व्यक्तियों द्वारा मनुष्यों, परिवारों व समाज पर नियंत्रण की कला थी जिसे धार्मिक व ईश्वरीय चोला पहनाकर स्थायी किया गया। अब, संविधान के आगे इस दैवीय व्यवस्था का कोई महत्व नहीं है। किंतु वर्तमान में भी इस व्यवस्था की श्रेष्ठता बताने के लिए इक्के दुक्के अपने आप को सबसे उच्च वर्ग के मानने वाले कतिपय धार्मिक नेता, राजनेता और बौद्धिक वर्ग के लोग बयानबाजी करते रहते है।

जब चालक लोगों ने यह तथाकथित दैवीय व्यवस्था बनाई तब, मुख्यत कृषि और पशुपालन पर आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था थी।शहरों का भी ज्यादा विस्तार नहीं था। जनसंख्या के लिहाज से कामों की कमी नहीं थी।ऐसी सामाजिक संरचना और अर्थ व्यवस्थाओं में रोजी रोटी के लिए वर्ग संघर्ष की संभावना अत्यंत न्यून थी।उस समय के प्रचलित काम थे किसानी, व्यापार, लकड़ी व चमड़े के कारीगर, कुम्हारी व चुनाई का कार्य, नाई का कार्य, साहूकारी,सुनारी लुहारी, सेना, राज की नौकरी, शिक्षक, वैद्यिगरि आदि पुश्तैनी कार्य आदि थे। समाज को आवश्यकतानुसार विभिन्न सेवाएं मिल जाती थी और काम के जानकारों को काम मिल जाता था। रोजगार को लेकर लोगों में असंतोष नहीं था।आज बेराजगारी की जो समस्या है वैसी शायद उस समय नहीं थी।

प्रारंभ में पेशा बदलने में जाती बाधक नहीं रही होगी किंतु कालांतर में पेशे जाती आधारित बना दिए और उनको छोड़ना आसानी से संभव नहीं था अर्थात चर्मकार का बेटा चर्मकारी का ही काम करेगा, मेहतर का बेटा ही मेहतरी का काम करेगा और यह लोग वेदपाठी व शिक्षक नहीं बन सकतें। जाती और पेशे को एक साथ बांध दिया, जातिगत पेशा छोड़कर अपनी इच्छा का पेशा अपनाना कठिन था।जातिगत पेशा छोड़ने वालों के लिए दंड भी था--- सबसे बड़ा दंड समाज से बहिष्कृत करना।

शास्त्रों में उल्लेखित ब्राह्मणों से (आज की ब्राह्मण जाति नहीं, वर्ण व्यवस्था के अंतर्गत वर्णित ब्राह्मण) अपेक्षा की गई थी कि वे सादा-सरल-वैरागी जैसा जीवन जिएंगे और समाज का नेतृत्व करेंगे। आज धरातल पर ऐसी स्थितियां हैं ही नहीं। आज जिसे हम ब्राह्मण के रूप में जानते हैं, वह तो वैश्य, क्षत्रिय, शूद्रों वाले सारे कार्य करता है। कोई भी गरीब किंतु शिक्षित, बेरोजगार व्यक्ति शास्त्रीय व्याख्यानुसार ब्राह्मण होने के सारे मापदंड पूरे करता है।

कुछ विचारकों का मानना है कि सामाजिक समरसता ही सामाजिक समानता है जिसमें जाति आधारित भेदभाव नहीं होगा, अस्पृश्यता का कोई स्थान नहीं होगा और समाज के सभी वर्गों के बीच प्रेम, सद्भाव और एकता होगी। कुछ अन्य विचारक इस बात को महत्व देते हैं कि वास्तविक सामाजिक समरसता में मनुष्य दूसरे मनुष्य को एक ही ईश्वर की संतान समझता है, सबमें एक ही चैतन्य है और इस बात को हृदय से स्वीकार करता है, न कि दिखावटी प्रेम।

गुरु गोविंद सिंह जी ने कहा - "मानस की जात सबै एकै पहचानबो" अर्थात सभी मनुष्यों को एक ही जाति का मानना चाहिए। कबीर जी कहते हैं- "लाली मेरे लाल की, जित देखूं तित लाल। लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल।" सार यही है कि चारों ओर ईश्वरीय ऊर्जा ही है, सब समान हैं।

प्रसिद्ध इतिहासकारों के अनुसार सामाजिक समरसता के चार प्रमुख घटक हैं: (1) संविधान जिसमें धर्म, वंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव निषेध हो (2) सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन (3) ऐसी शिक्षा जिससे मानवीयता, सद्भाव, भ्रातृत्व और समतामूलक गुणों का विकास हो (4) मीडिया का उद्देश्य निष्पक्ष, सटीक और सभ्य भाषा में जनसेवा करना हो।

डॉ. भीमराव अंबेडकर, जिनके जन्मदिन को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाना प्रारंभ किया गया है, के अनुसार बिना सामाजिक न्याय, समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे के सामाजिक समरसता एक प्रतीकात्मक विचार मात्र है। प्रत्येक नागरिक को उसकी योग्यता के अनुसार बराबर अवसरों की उपलब्धता ही सच्ची सामाजिक समरसता की नींव है।

सामाजिक समरसता पर पिछले 200 साल के विश्व के सबसे विश्वसनीय नेता महात्मा गांधी के विचार जाने बिना इस विषय के साथ न्याय नहीं होगा। गांधी जी जाति व्यवस्था और श्रम में भेद के विरोधी थे। वे उन सभी प्रथाओं के विरोधी थे जो शोषण और हिंसा पर आधारित हों। 1931 में उन्होंने लिखा था कि अंतर्जातीय विवाहों व भोज पर प्रतिबंध अनावश्यक है। विभिन्न वर्गों के लोग परस्पर विवाह कर सकते हैं, साथ बैठकर भोजन कर सकते हैं। (स्त्रोत: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा के साहित्य से - डॉ. शंभू जोशी)

धरातलीय स्थिति क्या है?

कोई भी सरकार रही हो, सभी ने यह प्रयास किया कि जिन वर्गों के साथ उचित व्यवहार नहीं हुआ उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया जाए। इसके लिए विशेष योजनाएं बनीं, संसद-विधानसभाओं-पंचायतों में स्थान आरक्षित किए गए, सरकारी नियुक्तियों व शिक्षण संस्थानों में आरक्षण दिया गया। एससी, एसटी, ओबीसी, महिलाओं, अल्पसंख्यकों आदि के लिए आयोग बनाए गए। किंतु सामाजिक समरसता के लिए बनाए गए संवैधानिक घटक को भी कमजोर करने के प्रयास भी हो रहे हैं। उदाहरणार्थ सरकारी नियमित पदों के बदले संविदा कर्मचारी रख लेना, सरकारी उपक्रमों को निजी हाथों में सौंपना और शीर्ष पदों के समीप वाले पदों पर लेटरल नियुक्तियां करना।

आज सरकार के पास इंजीनियर्स, डॉक्टर्स, सक्षम प्रशासनिक अधिकारियों की कमी नहीं, तो फिर सरकार में शीर्ष के 2,4 पदों के जिनमें किसी विशेष क्षेत्र के विशिष्ट प्रकार के अनुभव की आवश्यकता हो,उनके अतिरिक्त, नीचे के पदों पर बिना आरक्षण लेटरल नियुक्तियों के प्रयास का औचित्य समझ में नहीं आता।

सार्वजनिक स्थानों जैसे दफ्तर, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, चाय की दुकानों पर सामान्यत: सेवा लेने-देने वालों की कोई जाति नहीं पूछता। किंतु आज भी वंचितों की बरातों पर पथराव, दूल्हे को घोड़ी पर न चढ़ने देना, सिर मुंडवा देना, महिलाओं के साथ अमानुषिक व्यवहार जैसी घटनाएं सुनने को मिल जाती हैं। उच्च वर्ण के व्यक्तियों ने भगवान की कथा सुनाने पर भी एकाधिकार बना रखा है, अन्यथा उत्तरप्रदेश में चतुर्थ वर्ण के व्यक्ति द्वारा भागवत कथा सुनाने पर सिर मुंडवाना, नाक रगड़वाना जैसा व्यवहार नहीं होता।

कहा जाता है, 140 करोड़ का देश है, छुटपुट घटनाएं हो जाती हैं। फिर ऐसी घटनाएं तथाकथित उच्चवर्णीय व्यक्तियों के साथ प्राय: क्यों नहीं सुनने को मिलतीं? बहुत से राजनीति से जुड़े लोग फोटो खिंचवाकर प्रचार के लिए वंचितों के घरों पर प्रायोजित भोजन करते हैं, यह महज दिखावा है।

यह भी कोई छुपी हुई बात नहीं कि अब भी कुछ पदों, सेवाओं के लिए अलिखित आरक्षण है ही। कुछ संस्थाओं में तो भारत के 80 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व तो 2,4,5,10 प्रतिशत से अधिक नहीं। कुछ संस्थाओं में तो चयन विशिष्ट परिवारों, समूहों, संगठनों तक सीमित होता जा रहा है। यह सामाजिक समरसता के अनुकूल है या प्रतिकूल इसका निर्णय मैं पाठकों पर छोड़ता हूं।

और अंत में....

दिल पर हाथ रखकर सोचें, क्या आपने पिछले 40-50 साल में वर्ण व्यवस्था, जाति प्रथा, पाखंड आधारित पूजा, तर्कहीन प्रवचनों और भगवान के नाम पर चंदे की बोली लगवाने जैसे कार्यों के विरुद्ध कोई सशक्त जनांदोलन देखा?

और मीडिया, जो सामाजिक समरसता का महत्वपूर्ण घटक है, क्या वह अपना दायित्व निभा रहा है?

**-महावीर सिंह पूर्व आईएएस**

# दीपावली की मिठास में मिलावट का ज़हर!

## त्योहार की खरीदारी में सतर्क रहें, सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो



डॉ. लीलाधर दोचानिया

दीपावली खुशियों, उल्लास, रोशनी और आपसी प्रेम का त्योहार है। इस अवसर पर घरों में मिठाइयों की खुशबू महकती है, रिश्तेदारों और मित्रों को उपहार दिए जाते हैं तथा बाजारों में खरीदारी की रौनक देखते ही बनती है। लेकिन त्योहार की इसी रौनक के बीच एक गंभीर चिंता भी सिर उठा रही है। कहीं मिठास के नाम पर लोगों की थाली में मिलावट और बीमारियों का जहर तो नहीं परोसा जा रहा?

त्योहारों के दौरान मिठाइयों, मावे, पनीर, घी, दूध, तेल, नमकीन और सूखे मेवों की मांग अचानक बढ़ जाती है। अधिक मुनाफा कमाने की लालच में कुछ असामाजिक कारोबारी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से समझौता करते हैं। मिलावटी मावा, नकली पनीर, घटिया घी, मिलावटी खाद्य तेल और निर्धारित मानकों के विरुद्ध रंगों का इस्तेमाल आम उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने भी दीपावली के मद्देनजर राज्यों को विशेष निगरानी, निरीक्षण और खाद्य नमूनों की जांच के निर्देश दिए हैं। दूध एवं दुग्ध उत्पादों, मिठाइयों, नमकीन, खाद्य तेल और घी पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

राजस्थान में भी शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत कार्रवाई तेज की गई है। जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों के नमूने लेने और संदिग्ध सामग्री जब्त करने की कार्रवाई सामने आई है।

**मिलावट से बचने के लिए उपभोक्ता क्या करें?**

सबसे पहले मिठाइयां और अन्य खाद्य सामग्री विश्वसनीय एवं प्रतिष्ठित दुकानों से ही खरीदें। पैकिंग वाले खाद्य पदार्थों पर निर्माण तिथि, अंतिम उपयोग तिथि, सामग्री का विवरण और लाइसेंस नंबर अवश्य देखें। खरीदारी का बिल लेना न भूलें।

खुली मिठाइयों की गुणवत्ता, उनकी स्वच्छता और रखरखाव पर विशेष ध्यान दें। असामान्य रंग, गंध, स्वाद अथवा खराब स्थिति में रखे खाद्य पदार्थ खरीदने से बचें। पनीर, मावा और घी खरीदते समय भी विश्वसनीय विक्रेता को प्राथमिकता दें। केवल बाहरी रंग, चमक या स्वाद के आधार पर किसी खाद्य पदार्थ को शुद्ध मान लेना उचित नहीं है। घरेलू जांच के कुछ तरीके प्रारंभिक संकेत दे सकते हैं, लेकिन खाद्य पदार्थ की शुद्धता की अंतिम पुष्टि प्रयोगशाला जांच से ही होती है।

**प्रशासन की जिम्मेदारी भी कम नहीं**

त्योहार के समय खाद्य सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। केवल औपचारिक निरीक्षण पर्याप्त नहीं हैं। मिठाई बनाने वाली फैक्ट्रियों, गोदामों, थोक विक्रेताओं और खुदरा दुकानों पर नियमित जांच होनी चाहिए। संदिग्ध खाद्य सामग्री के नमूने लेकर शीघ्र प्रयोगशाला जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को प्रमुख बाजारों में जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। जहां सुविधा उपलब्ध हो

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 97 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 6 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

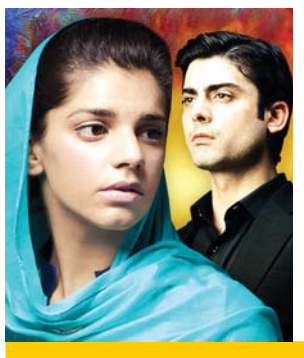
# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT



**Why Pakistani Serials Are So...**

Pakistani serials have become 'Crash Landing on You' for the Indian audience. Indian audiences encountered a picture of Pakistan quite different from the one they had in mind

**Sing To Your Baby**

**Old Monk Sold On Flavour, Not Advertising**

# हिरासत की अवधि कब से मानी जाए?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि किसी गिरफ्तार व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की संवैधानिक 24 घंटे की समय-सीमा उसी समय से शुरू हो जाएगी, जब उसे हिरासत में लिया जाता है, न कि उस समय से, जब पुलिस औपचारिक रूप से उसकी गिरफ्तारी दर्ज करती है।

न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ (बैंच) ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(2) के संदर्भ में

> **सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, जब से किसी व्यक्ति के आवागमन (फ्रीडम ऑफ मूवमैंट) पर रोक लगती है, तब से उसे हिरासत में माना जाना चाहिए, न कि उस समय से जब पुलिस औपचारिक रूप से हिरासत में लेने की कार्यवाही दिखाती है।**

"गिरफ्तारी" और "हिरासत" के बीच कोई बनावटी अंतर नहीं किया जा सकता। बैंच ने कहा कि यदि पुलिस को औपचारिक गिरफ्तारी से पहले की हिरासत की अवधि को 24 घंटे की समय-सीमा से बाहर रखने की छूट दी जाती है, तो यह संवैधानिक प्रावधान के खिलाफ होगा।

बैंच ने कहा, "यह मानना, कि 24 घंटे की अवधि केवल औपचारिक गिरफ्तारी के समय से शुरू होती है, संविधान के अनुच्छेद 22(2) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 56 के प्रावधानों के विपरीत है।"

फैसले में कहा गया कि 24 घंटे की समय-सीमा की गणना करते समय केवल उसी समय को घटाया जा सकता है, जो गिरफ्तारी के स्थान से मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में उचित रूप से लगता है।

बैंच ने कहा कि औपचारिक गिरफ्तारी से पहले की पूछताछ, जांच, तलाशी या जब्ती में लगने वाले समय को इस अवधि से बाहर नहीं रखा जा सकता। संविधान का अनुच्छेद 22(2) कहता है कि गिरफ्तार किए गए और हिरासत में रखे गए किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के 24 घंटे

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## जॉन ओसॉफ : फ्रंट रनर?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर जॉन ओसॉफ जॉर्जिया के मध्यावधि चुनावों में दोबारा जीत हासिल करने के बाद 2028 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के प्रमुख दावेदारों के रुप में सामने आए हैं। प्रैडिक्शन मार्केट, पॉलीमार्केट पर उनकी संभावनाओं में काफी तेजी आई है।

"द इंडिपैन्डैट" के आंकड़ों के अुसार 39 वर्षीय सीनेटर के डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की संभावना अब 24 प्रतिशत आंकी गई है, जो पिछले 24 घंटों में इसमें नौ प्रतिशत अंकों की वृद्धि है। 2028 का राष्ट्रपति चुनाव जीतने की उनकी संभावना भी काफी बढ़ी है और एक ही दिन में 10.5 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है।






## सार-समाचार

### पालिका की बैठक नहीं, विकास को तरसे लोग

**दूदू ।** नगर निकाय चुनाव के बाद नवनिर्वाचित नगर पालिका दूदू के कार्यकारिणी की बैठक करीब डेढ़ माह पूर्ण हो जाने के बाद नहीं हो पाने के कारण विकास कार्यों को गति नहीं मिल पा रही है । दूदू नगर पालिका में कांग्रेस पार्टी द्वारा दो पार्षदों को अपने समर्थन में लेकर कांग्रेस का बोर्ड बना लिया था तथा अध्यक्ष पद पर गरिमा कंवर उपाध्यक्ष पद पर आरिफ शेख को पदभार ठाहण 22 सितंबर को करवा दिया गया था पश्चात 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित निर्वाचित पार्षदों के कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका दिशा से अधिकारी एवं उपाध्यक्ष आरिफ शेख के बीच कार्यक्रम के पूर्व ही वहां आए ग्रामीण जनों की उपस्थिति को लेकर तीखी नोक झोक हो गई । कार्यक्रम में अध्यक्ष गरीब कंवर कांठोस पार्टी के पार्षद भी मौजूद थे कार्यक्रम स्थल से अधिकारी नोंक-झोंक के साथ ही उठकर चेंबर में चली गई वहीं सभी पार्षद गांधी जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर बिना चाय पिए ही उठकर चले गए उसके बाद आज तक नगर पालिका बोर्ड की कोई बैठक आयोजित नहीं की गई जो आम चर्चा का विषय बना हुआ है क्या नगर पालिका बोर्ड गठित हो गया फिर बैठकर क्यों नहीं हो पा रही है भाजपा के पार्षद अवधेश शर्मा द्वारा बैठक नहीं बुलाने एवं दीपावली के अवसर पर नगर पालिका क्षेत्र में रोड लाइट लगाने के सामान की खरीद में प्रशासन द्वारा अनियमितताएं बरती जाने का आरोप लगाते हुए उच्च अधिकारियों का अवगत कराया की बिना टेंडर प्रक्रिया के घटिया सामग्रीय खरीद की गई है वही अधिशासी अधिकारी सोलंकी ने बताया कि सभी कार्य नियम अनुसार किये जा रहे हैं कोई अनियमितता नहीं बरती गई है।

### बोनस का भुगतान दीपावली से पूर्व ही करवाया जाए

**टोंक।** जिले के समस्त नियोजकों, प्रबन्धकों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, वाणिज्यिक संस्थानों और आउटसोर्सिंग व ठेका एजेंसियों को सूचित कर अपील की जाती है कि दीपावली का पावन त्योहार निकट आ रहा है। श्रमिको एवं कर्मचारियों की मेहनत के फलस्वरूप ही व्यवसायिक और औद्योगिक संस्थानों की प्रगति संभव होती है। अतिरिक्त श्रम आयुक्त एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव, राजस्थान, जयपुर के निर्देषानुसार, प्रत्येक संस्थान को वित्तीय वर्ष के 8 माह की समाप्ति के भीतर देय बोनस का भुगतान किया जाना अनिवार्य है। इसलिए समस्त नियोजकों, प्रबंधकों, औद्योगिक संस्थानों, प्रतिष्ठानों, दुकानों, वाणिज्यिक संस्थानों और आउटसोर्सिंग ठेका एजेंसियों को सुचित करते हुए अपील की जाती है कि नियमानुसार बोनस का भुगतान दीपावली से पूर्व ही करवाया जावें ताकि श्रमिक वर्ग इस त्योहार को हर्षोल्लास से मना सके।

### संभागीय आयुक्त ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया

**टोंक।** पंचायती राज आम चुनाव के तृतीय चरण के अंतर्गत पंच व सरपंच पदों के लिए गुरुवार को हुए मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से सभागीय आयुक्त अजमेर शक्ति सिंह राठौड़ एवं पुलिस महानिरीक्षक डॉ. रवि ने जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पंचायत समिति पचेवर की ग्राम पंचायत पारली, पचेवर व गनवर, पंचायत समिति मालपुरा की ग्राम पंचायत चांदसेन, धौली व लावा तथा पंचायत समिति पीपलू की ग्राम पंचायत झिराना में स्थापित मतदान केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने सभी मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की सार्थक अपील भी की तथा विभिन्न मतदान केंद्रो का निरीक्षण कर मतदाताओं को मतदान केंद्र पर उपलब्ध बिजली, पानी, स्वच्छता, सुरक्षा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

### केंद्रीय वन मंत्री का अलवर दौरा 6 को

**अलवर।** केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव 6 नवंबर को अलवर शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। केंद्रीय वन मंत्री यादव प्रात: 11:15 बजे एमआई में मत्स्य उद्योग संघ के ऑडिटोरियम एवं दोपहर 12 बजे आयकर कॉलोनी मोती डूंगरी में सीजीएचएस वेलनेस सेंटर का उद्घाटन करेंगे। इसी प्रकार सांय 4:30 बजे मूसी महारानी छतरी पर वर्ष 2027 में 7 फरवरी को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की अलवर टाइगर मैराथन के प्रीकर्सर इवेंट में सम्मिलित होंगे, जिसमें की मैराथन की रूपरेखा रखी जाएगी। इसके पश्चात सांय 6 बजे होप सर्कस पर लाइट एण्ड साउंड शो की लॉन्चिंग व भजन संध्या कार्यक्रम में शिरकत करेंगे तथा सांय 6:40 बजे कम्पनी बाग के शिमला में 11 हजार दीपकों के प्रज्जवलन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

### एक ट्रैक्टर व दो ट्रॉली जब्त

**टोंक।** जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में थानाधिकारी बनेठा के नेतृत्व मे गठित विशेष टीम द्वारा अवैध बजरी खनन व परिहवन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए गत 4 नवम्बर की रात्रि को गश्त के दौरान अवैध खनन व परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर मय ट्रोली व एक ट्रोली को जब्त किया गया। इस कार्यवाही में पुलिस ने चालक व मालिक के खिलाफ एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

### पावटा में श्रीमद्भागवत कथा 14 से

**पावटा ।** कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहडा धाम मंदिर की पावन धरा पर 14 नवंबर से 22 नवंबर तक श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं एवं आयोजक समिति की ओर से तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है।

# निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों के बाहर भीड़ एकत्रित नहीं होने दी



भरतपुर जिला कलैक्टर मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

- मतदान व्यवस्थाओं का लिया जायजा, मतदान दलों एवं पुलिस जवानों का बढ़ाया उत्साह
- जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया

**भरतपुर( निसं )।** पंचायत आम चुनाव के तहत सरपंच एवं वार्डपंचों के निर्वाचन के लिए मतदान दिवस पर जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा ने गुरूवार को जिले के भुसावर, वैर, नदबई और बयाना विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं मतदान कार्मिकों को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा मतदान कार्मिकों को पूरी सतर्कता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, इसके लिए निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के व्यवस्थित प्रवेश एवं मतदान की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने तथा वैध पहचान दस्तावेजों की जांच के बाद ही मतदाताओं को प्रवेश देने के निर्देश दिए। साथ ही मतदान केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ एकत्रित नहीं होने देने के लिए भी निर्देशित किया।

### पालिका अध्यक्ष कजोड़ी देवी ने सफाई कार्यों का निरीक्षण किया

**देवली।** देवली शहर की नगर पालिका के नवीन बोर्ड ने शहर के विकास को पहली प्राथमिकता देते हुए भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना शुरू कर दिया है। नवीन बोर्ड की पालिका अध्यक्ष कजोड़ी देवी. बैरवा और नगर पालिका अधिशासी अधिकारी अमरचंद गुर्जर सहित नवनिर्वाचित पालिका सदस्यों ने नगर पालिका क्षेत्र में विकास कराने की मुहिम शुरू कर दी है। शहर में शुरू हुए विकास के इस क्रम में नगर पालिका प्रशासन ने पहली बार दीपावली के त्यौहार पर शहर को रोशनी से गुलजार कर दिया है। गौरतलब है की पूर्व नगर पालिका बोर्ड के बीते 5 वर्षों तक देवली शहर त्योहारो पर होने वाले सौंदर्य करण के लिए तरसता रहा ।

लेकिन इस बार पालिका बोर्ड के अध्यक्ष कजोड़ी देवी बैरवा और अधिशासी अधिकारी अमरचंद गुर्जर ने दीपावली के त्यौहार को मध्य नजर रखते हुए शहर को रंग बिरंगी रोशनी से चकाचौंद करवा दिया है। इस मर्तबा दीपावली पर देवली शहर की तस्वीर कुछ बदली-बदली सी नजर आना शुरू हो गई है।और पालिका बोर्ड की बदौलत रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते बाजार,देखने को मिल रहे हैं। तो वही आकर्षक साज-सज्जा से सजे चौराहे और स्वच्छता की नई मिसाल पेश होना शुरू हो गई है।

बीते 5 वर्षों के बाद देवली नगर पालिका प्रशासन इस दीपावली पर्व को यादगार बनाने के लिए नगर और नगर वासी उत्साहित दिखाई दे रहे है।

## सार-समाचार

### सांभर में राम भक्तों ने भजनों से शिव महिमा का गुणगान किया

**सांभरझील, ( निसं )।** अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र भगवान श्रीराम की महिमा और उनके प्रति गहरी आस्था आज इस घोर कलियुग में भी कायम है। इसकी वजह राम नाम के दो अक्षरों में समाहित वह चैतन्य ऊर्जा है, जो भक्ति भाव में डूबे लोगों को भवसागर से पार लगाने का मार्ग प्रशस्त करती है। भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी भगवान राम की महिमा तेजी से फैल रही है। भक्ति मार्ग के जरिए परमात्मा तक पहुंचने की साधना में जुटे श्रद्धालुओं का सिलसिला सांभर में कई वर्षों से प्रभात फेरी के माध्यम से अनवरत जारी है। भगवान शिव आदि और अनंत हैं। राम और शिव दोनों की भक्ति का अपना विशेष महत्व है। इसी भक्ति भाव को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से श्रद्धालु नियमित रूप से प्रभात फेरी निकालते हैं और भजनों के माध्यम से प्रभु की महिमा का गुणगान करते हैं।

### क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

टोंक। सआदत पवेलियन में आयोजित राइजिंग कप अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता का बुधवार को भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि नगर परिषद सभापति मयंक गोयल उपस्थित रहे। इस अवसर पर कोच इम्तियाज अली, मंसूर अली खान और मोहसिन रशीद टोंक सहित अन्य खेलप्रेमी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता में जयपुर, जोधपुर, सीकर, भरतपुर, दौसा सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों की टीमों ने हिस्सा लिया।

### सोशल मीडिया पर भ्रामक समाचारों पर ध्यान नहीं दें''

**दूदू ।** पुलिस थाना दूदू परिसर में दीपावली के त्योहार पर शांतिपूर्ण व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई । बैठक के दौरान व्यापार मंडल द्वारा बाजार में सुरक्षा उपाय के लिए लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति पर चर्चा की वहीं थाना निरीक्षक संजय मीणा ने सदस्य एवं व्यापार मंडल के सदस्यों से कहा कि सोशल मीडिया पर जारी भ्रामक समाचारों पर ध्यान नहीं दें।

### अलवर जेल में गूंजे मुनि सौम्य सागर के प्रवचन

**अलवर।** दिगम्बर जैन संत मुनि सौम्य सागर महाराज ने कहा कि जीवन में गुस्से पर थोडा सा काबू पा लिया जाए तो कई अपराध होने से बच सकते हैं। व्यक्ति को अपने जीवन में अनुशासन और संयम अपनाना चाहिए। जिस कारण जेल आए हैं, उसके प्रति मन में बदले की भावना नहीं रखनी चाहिए। जेल से बाहर निकलने के बाद किसी से बदला लेने के बजाय स्वयं को बदलने का संकल्प लेकर जाना चाहिए।

मुनि सौम्य सागर महाराज गुरुवार को अलवर केंद्रीय कारागृह में बंदियों के बीच मंगल प्रवचन कर रहे थे। राजस्थान की किसी जेल में उनका यह पहला प्रवचन था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अलवर की जेल में जो भी बंदी बनकर आता है, वह बंदा बनकर निकलता है। यहां उन्हें हर बंदी खुदा का बंदा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि संसार भी एक जेल के समान है।

# दीपावली से पहले पावटा के मुख्य बाजार को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग

- उपाध्यक्ष सोमवती ने एसडीएम को लिखा पत्र
- अवैध रेहड़ियों और बेतरतीब पार्किंग से लगता है दिनभर जाम
- पालिका-पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई करने की मांग

**पावटा ।** दीपावली के त्योहार को देखते हुए पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में बाजार की यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग उठने लगी है। नगरपालिका उपाध्यक्ष सोमवती ने बुधवार को उपखंड अधिकारी पावटा बृजेश कुमार को पत्र लिखकर अवैध पार्किंग से हुए अतिक्रमण हटाने तथा सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

उन्होंने इस संबंध में नगरपालिका प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई करवाने की आवश्यकता जताई है। उपाध्यक्ष सोमवती मीणा ने पत्र में बताया कि दीपावली के दौरान मुख्य बाजार व सर्विस रोड पर हजारों लोगों की आवाजाही रहती है, लेकिन जगह-जगह अव्यवस्थित पार्किंग के कारण अतिक्रमण से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पडता है। उन्होंने बताया कि सुभाष चौक, होली चौक, पीएनबी बैंक के पास और पुराने रोड, सर्विस रोड पर ई-रिक्शा एवं चौपहिया व दोपहिया वाहनों की बेतरतीब पार्किंग के चलते दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। पत्र के माध्यम से उपखंड अधिकारी से मांग की गई है कि नगरपालिका और प्रागपुरा पुलिस थाने की संयुक्त टीम गठित कर अवैध पार्किंग से हुए अतिक्रमण हटवाए जाएं तथा बाजार में आने वाले वाहनों को लाखुडी स्थित निर्धारित पार्किंग स्थल पर खडा करवाया जाए। इसके अलावा त्योहारों पर मुख्य बाजार, छोटे अंडरपास, बडी पुलिया और पुराने रोड पर पुलिस एवं यातायात कर्मियों की तैनाती व बडे वाहनों की नो एंट्री कर नो-पार्किंग में खड़े वाहनों तथा नियम विरुद्ध पार्किंग करने वाले ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ नियमित चालानी कार्रवाई करने की मांग की गई है। उपाध्यक्ष सोमवती मीणा ने कहा कि त्योहारी सीजन में बाजार में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए समय रहते ठोस कदम उठाना जरूरी है। नगरपालिका और पुलिस प्रशासन के आपसी समन्वय से ही अतिक्रमण मुक्त बाजार और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है।

### तीन साल बाद बुआ से मिला भतीजा

**भरतपुर** (निसं)। दीपावली के पावन पर्व से पहले अपना घर आश्रम, भरतपुर में एक भावुक कर देने वाला पुनर्मिलन देखने को मिला। यहां तीन वर्षों से बिछडी बुआ शान्तिदेवी अपने भतीजे नरेन्द्र से मिलीं। वर्षों बाद अपनों को सामने देखकर बुआ और भतीजे की आंखें खुशी के आंसुओं से भर उठीं। अब शान्तिदेवी अपने परिवार के साथ दीपावली का त्योहार मनाएंगी। यह कहानी आश्रम में निवासरत प्रभुजी शान्तिदेवी की है। पति के देहांत के बाद वे अकेले जीवनयापन कर रही थीं। अस्वस्थ होने और चलने-फिरने में असमर्थ थी ।

# मंत्री ने जुट के थैलों का वितरण किया

**अलवर।** वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने आज एयू स्मॉल बैंक द्वारा संचालित से नो टू प्लास्टिक अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर आमजन को जुट के थैलों का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने अभियान के अंतर्गत आयोजित वाहन रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। वन राज्यमंत्री शर्मा ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति का संवर्धन हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के उपयोग से ना केवल पर्यावरण को नुकसान होता है, बल्कि जीव-जन्तुओं का जीवन भी संकट में पड जाता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हेतु सरकार द्वारा प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। उन्होंने आमजन से अपने दैनिक कार्यों में प्लास्टिक से बने थैलों का उपयोग ना करके जूट से बने थैलों का उपयोग करने की अपील की। इधर नो पीयूसीसी नो फ्यूल के संबंध में आज जिला रसद अधिकारी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पीयूसीसी प्रमाण पत्रा की अनिवार्यता के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। जिला रसद अधिकारी महेश शर्मा ने सभी कंपनियों के सेल्स ऑफिसर्स को निर्देशित किया कि एनसीआर में वायु प्रदूषण प्रबंधन के संबंध में निर्धारित कॉलमों में पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट की मैन्यूली जांच, नो पीयूसी नो फ्यूल के बैनर का प्रदर्शन एवं एएनपीआर सिस्टम वाले पेट्रोल पम्पों की संख्या तथा अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किए गए पेट्रोल पम्पों की संख्या की रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि पेट्रोल पम्पों पर सीएक्यूएम के निर्देशों की अनुपालना एवं पीयूसी उपकरण स्थापित कराने में आने वाली समस्याओं के संबंध में पेट्रोल पम्पों के एसोसिएशन के साथ बैठक कर समाधान किया जाएगा।

### गड्ढा खोदकर कचरे के निबटारे का विरोध

**चौमूं / कालाडेरा ।** कालाडेरा नगर पालिका प्रशासन अपनी हठधर्मिता के कारण सरकार के नियमों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ा रहा है। कालाडेरा नगरपालिका क्षेत्र में स्थित नदी भाव क्षेत्र में कचरा निस्तारण का काम नगरपालिका प्रशासन के आंख के निचे ठेकेदार के द्वारा जेसीबी से गड्ढे खोदकर कचरें को नदी क्षेत्र में दबाने का काम बड़े जोर सोर से किया जा रहा है। इससे पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। साथ ही यह एनजीटी के नियमों के भी विरुद्ध है। स्थानीय लोगों ने कई बार विरोध भी किया है लेकिन नगर पालिका प्रशासन ने इस मामले में कोई भी कार्यवाही नहीं की। जब इस मामले को लेकर कालाडेरा नगर पालिका ईओ निकिता वर्मा से जानकारी चाही तो ईओ ने नगरपालिका चेयरमैन से बात करने की बात कहकर मामले से पला जाड लिया। गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व नगर पालिका चेयरमैन उर्मिला कुमावत ने अपनें निजी खर्च से नदी क्षेत्र नगर पालिका के कचरा उठाने वाले ठेकेदार के द्वारा गैरे गये में कचरें को जेसीबी की सहायता से निस्तारण करवाया था। लेकिन नगरपालिका के कचरा उठाने वाले ठेकेदार के द्वारा जेसीबी से गड्ढे खोदकर कचरें को गाडने का काम किया जा रहा। लेकिन सोचने वाली बात ये है कि ये काम किस अधिकार व जनप्रतिनिधि के सहयोग से किया जा रहा है।

### अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ अभियान में अवैध शराब जप्त

**टोंक।** जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना पीपलू टीम ने कार्यवाही करते हुए थाना क्षेत्र के ग्राम नाथडी में जोधपुरिया बांध से आने वाली नहर के कच्चे रास्ते में खडी एक कार में अवैध रूप रखी शराब जिसमें 84 पव्वे अंग्रेजी शराब एवं 48 पव्वे देशी शराब के मिलने पर कार को जप्त कर चालक के खिलाफ एक्साईज एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। इस कार्यवाही के दौरान चालक पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस द्वारा की तलाश जारी है।

### 91726 मतदाताओं में से 83666 ने डाला वोट

**किशनगढ़बास।** पंचायतीराज आम चुनाव-2026 में पंचायत समिति किशनगढबास की ठाम पंचायतों में मतदाताओं ने लोकतंत्र के प्रति जबरदस्त जागरूकता दिखाई। कुल 32 ठाम पंचायतों में 91.21 प्रतिशत मतदान हुआ। कुल 91726 मतदाताओं में से 83666 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

# 80 दिन बाद तिरंगे के साए में घर लौटा अलवर का वीर सपूत



अग्निवीर समुद्रसिंह गुर्जर का पार्थिक गांव पहुंचने पर जनसैलाब उमड़ पड़ा।

- ईटाराणा सैन्य छावनी से सैन्य सम्मान के साथ निकली अंतिम यात्रा, पैतृक गांव केसरपुर में गूंजे भारत माता के जयकारे

**अलवर।** अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली में बादल फटने से आई भीषण बाढ में लापता हुए अलवर जिले के केसरपुर गांव निवासी अग्निवीर समुद्र सिंह गुर्जर का पार्थिव शरीर करीब 80 दिन बाद उनके गांव पहुंचा। गुरुवार को ईटाराणा सैन्य छावनी से सैन्य सम्मान के साथ उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। तिरंगे में लिपटे वीर सपूत के पार्थिव अवशेषों के गांव पहुंचने की खबर मिलते ही बडी संख्या में ठामीण, युवा और आसपास के गांवों के लोग श्रद्धांजलि देने उमड़ पड़े। पूरे रास्ते भारत माता की जय और जय हिंद के नारे गूंजते रहे। गांव में हर आंख नम थी और हर जुबां पर देश के वीर सपूत की शहादत को नमन करने के शब्द थे। समुद्र सिंह 14 अगस्त 2026 को अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली जिले के अनिनी स्थित पशुपानी क्षेत्र में बादल फटने के बाद आई भीषण बाढ और भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। इस प्राकृतिक आपदा में सेना के सात जवान प्रभावित हुए थे। इनमें से दो जवानों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि समुद्र सिंह सहित पांच जवान लापता हो गए थे। इसके बाद भारतीय सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की टीमों ने दुर्गम पहाडी क्षेत्र में लगातार तलाश अभियान चलाया।


**उत्तर पश्चिम रेलवे**

**निविदा सूचना**

भारतसंघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), उत्तर पश्चिम रेलवे, जवाहर सर्किल, जयपुर, निम्नलिखित कार्य हेतु निर्धारित इलैक्ट्रॉनिक प्रपत्र पर ऑन-लाईन ऑपन ई-निविदा सिस्टम (टू-पैकेट सिस्टम) आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या:** NWR-SC-HQ-JP-05-2026-2027। **कार्य का नाम एवं स्थान:** Tender for "Final Location Survey (geotechnical studies, preparation of drawings) and other preliminary activities for preparation of DPR and EPC tender documents in connection with anticipated survey work for New lines, Bypass lines, Gauge conversion, Doubling, etc. of all four divisions of North Western Railway". **निविदा का प्रकार:** ऑपन (टू-पैकेट सिस्टम)। **अनुमानित लागत: ₹40,81,55,178.90** (चालीस करोड़, एकासी लाख, पचपन हजार, एक सौ अठहत्तर रुपये और नब्बे पैसे मात्र)। **बिड सिक्योरिटी/धरोहर राशि: ₹81,63,100.00** (इक्यासी लाख, तिरसठ हजार, एक सौ रुपये मात्र)। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 36 (छत्तिश महीने)। **निविदा की अन्तिम दिनांक व समय:** दिनांक: 15.12.2026 को 15:00 बजे। **वेबसाईट का विवरण:** www.ireps.gov.in। **नोट:** कोई भी व्यक्तिगत (मैनुअल) टैण्डर स्वीकार नहीं किया जाएगा। 1602-MG/26

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें



**नम्बर मिलाइए 8890333139**



**सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।**



**राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर**

क्रमांक :-4636 दिनांक :- 05/1/26

**जाहिर आम-सूचना** राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 263/145 (EWS), (एरिया 57.785 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री घनश्याम पुरुषवानी पुत्र श्री चन्द्र कुमार पुरुषवानी को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 4735 दिनांक 30.11.2004 को जारी किया गया। श्री घनश्याम पुरुषवानी के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 08.10.2009 को उप पंजीयक चतुर्थ, जयपुर के यहां पंजी कृत करवाये गये। श्री घनश्याम पुरुषवानी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 10.10.2011 के द्वारा श्री मंयक गोयल पुत्र श्री महेश चन्द गोयल को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री मयंक गोयल द्वारा श्री मुकेश कुमार सेठी पुत्र श्री कपूर चन्द जैन को दिनांक 08.04.2013 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री मुकेश कुमार सेठी द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 19.09.2014 के द्वारा श्री सचिन गुप्ता पुत्र श्री सुभाष चन्द गुप्ता को विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्री सचिन गुप्ता द्वारा उक्त आवास को दिनांक 29.05.2026 के द्वारा श्री पुनीत मित्तल पुत्र श्री त्रिलोक नाथ को विक्रय कर उप पंजीयक द्वादश, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। ठेरा/केती श्री पुनीत मित्तल पुत्र श्री त्रिलोक नाथ द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास मे अपना नाम मण्डल रिकार्ड मे दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री पुनीत मित्तल पुत्र श्री त्रिलोक नाथ का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।

**सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर**



**नाम परिवर्तन**

मैं SUNEETA DEVI पत्नी श्री NO. JC NYA, रैंक NB SUB, नाम-BHOOP SINGH RAJPUT, निवासी खेड़ा, तहसील- बानसूर, जिला- अलवर, राज्य-राजस्थान, पिन 301402, मैं ने अपना नाम SUNEETA से बदलकर SUNEETA DEVI और जन्मतिथि 01-12-1985 से 01-12-1984 कर लिया है। शपथ पत्र दिनांक 03.11.2026, नोटेरी बानसूर, अलवर (राजस्थान)

मैं ANKITA SHEKHAWAT, DAUGHTER OF NO. JC NYA, Nb Subedar-BHOOP SINGH RAJPUT, निवासी-KHERA, तहसील बानसूर, जिला-अलवर, राज्य-राजस्थान, पिन 301402, मैंने अपना नाम ANKITA से बदलकर ANKITA SHEKHAWAT कर लिया है। शपथ पत्र दिनांक 03-11.2026, नोटेरी Bansur, ALWAR, RAJASTHAN

मैं, HARESH TOLANI, पुत्र श्री ISHWAR LAL TOLANI, निवासी 304, अल्लाह रखा बिल्डिंग, अजमेर, हाल निवासी 4 बी, रॉयल ट्रेडर्स, कमानी रोड, झोटवाड़ा, जयपुर, घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम HARESH TOLANI से बदलकर HARISH TOLANI कर लिया है। भविष्य में मुझे HARISH TOLANI के नाम से जाना / पहचाना जाए।

I have Changed my name from Abdul Aziz to Aziz Khan s/o Dayam Khan For all future purpose. Address 627, Baandri ka nasik, Moti katla bazar, Subhash Chowk, Jaipur



**राजस्थान सरकार शिक्षा विभाग**

**कार्यालय, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय-काचरोदा (सांभरलेक) जयपुर**

क्रमांक-311 दिनांक-05.11.2026

**नीलामी विज्ञप्ति**

उच्च सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि स्थानीय विद्यालय राजकीय माध्यमिक विद्यालय, काचरोदा में कम्प्यूटर लैब के अनुपयोगी सामग्री जैस-सीपीयू, मोनिटर, की-बोर्ड आदि अन्य सामग्री की नीलामी दिनांक 19.11.2026 को प्रातः 11.00 बजे विद्यालय परिसर में खुली बोली द्वारा की जायेगी । अतः इच्छुक जीएसटी रजिस्टर्ड खरीदार धरोहर राशि 2 प्रतिशत जमा करवाकर बोली में भाग ले सकते हैं। सामान एवं अन्य शर्तों का अवलोकन कार्यालय समय में विद्यालय में उपस्थित होकर किया जा सकता है ।

**प्रधानाचार्य रा.उ.मा.वि. काचरादा (जयपुर)**



**कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर**

क्र: एच-56/सि.ला.जो./नगिज/2026/2387 दि: 28.10.2026

**अनापत्ति आमंत्रण सूचना**

भूखण्ड संख्या ई-8, शास्त्री नगर नाहरी का नाका बनीपार्क विस्तार जयपुर का कार्यालय इम्पूवमेन्ट ट्रस्ट जयपुर द्वारा दिनांक 10.05.1966 को श्री विनोद कुमार मित्तल पुत्र श्री सूरज भान मित्तल को लाईसेन्स डीड जारी की गई। तत्पश्चात दिनांक 19.01.2007 को जरिये पंजीकृत उपहार पत्र द्वारा श्री विनोद कुमार मित्तल पुत्र श्री सूरज भान मित्तल ने श्री नरेश कुमार मित्तल पुत्र स्व. श्री सूरज भान मित्तल को भू.स. ई-8 कुल क्षेत्रफल 416.66 वर्गगज में से भू.स. ई-8 पूर्वी दक्षिणी भाग क्षेत्रफल 127.50 वर्गमीटर उपहार की गई। तत्पश्चात दिनांक 19.01.2007 को जरिये पंजीकृत उपहार पत्र द्वारा श्री विनोद कुमार मित्तल पुत्र श्री सूरज भान मित्तल ने श्रीमती पार्वती देवी पत्नी स्व. श्री सूरज भान मित्तल को भू.स. ई-8 कुल क्षेत्रफल 416.66 वर्गगज में से भू.स. ई-8 उत्तरी पूर्वी भाग क्षेत्रफल 93.37 वर्गमीटर उपहार की गई। तत्पश्चात दिनांक 26.02.2010 को श्रीमती पार्वती देवी पत्नी स्व. श्री सूरज भान मित्तल द्वारा श्री नरेश कुमार मित्तल पुत्र स्व. श्री सूरज भान मित्तल भू.स. ई-8 में से दक्षिणी पूर्वी भाग क्षेत्रफल 29.26 वर्गमीटर की पंजीकृत वसीयत की गई। तत्पश्चात दिनांक 02.04.2016 को श्री विनोद कुमार मित्तल का देहान्त हो गया। तत्पश

# नशे में धुत कार चालक ने स्कूटी-बाइक को टक्कर मारी; दो युवकों की मौत, 3 घायल

## आमेर घाटी में हुआ भीषण हादसा, टक्कर के बाद खाई में गिरीं कार व बाइक

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । आमेर घाटी में बुधवार देर रात नशे में धुत कार चालक की लापरवाही ने दो परिवारों की खुशियां उजाड़ दीं। आमेर महल से जलमहल की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने पहले स्कूटी और फिर बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार और बाइक सड़क किनारे खाई में जा गिरीं। हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने कार सवार दो युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। कार की तलाशी में बीयर की केन भी मिली हैं। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

एसीपी आमेर प्रतीक सिंह के अनुसार हादसा बुधवार रात करीब 11 बजे आमेर घाटी में मावठा सेल्फी पॉइंट के पास हुआ। भीलवाड़ा निवासी और वर्तमान में सांगानेर में रह रहा अयान (25) कार लेकर आमेर महल से जलमहल की तरफ आ रहा था। आरोप है कि कार चालक नशे में था। उसने सबसे पहले मावठा सेल्फी पॉइंट के पास स्कूटी को टक्कर मारी। स्कूटी पर साहिल (25), तरुण और



मृतक साहिल और सोएब

सोहेल सवार थे। टक्कर के बाद भी चालक ने कार नहीं रोकी और भागने के प्रयास में करीब 50 मीटर आगे मजार के पास बाइक को भी चपेट में ले लिया। बाइक पर शोएबुद्दीन उर्फ शोएब (26) अपने दोस्त कलीमुद्दीन के साथ सवार था। टक्कर के बाद कार और बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरीं।

हादसे में बाइक सवार शोएब की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर घायल साहिल ने गुरुवार को एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में तरुण, सोहेल और कलीमुद्दीन घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया।

- **हादसे के बाद लोगों ने कार सवार दो युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंपा**

पोस्टमार्टम के बाद दोनों मृतकों के शव परिजनों को सौंप दिए गए।

हादसे ने दो परिवारों की खुशियों को मातम में बदल दिया। शोएब की शादी करीब डेढ़ साल पहले हुई थी और चार महीने पहले ही वह पिता बना था। उसके घर में बेटे मोहम्मद हुसैन के जन्म का जश्न समारोह इसी महीने आयोजित करने की तैयारी थी। वह नगीनों का काम करता था और पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था। हादसे के समय वह दोस्त कलीमुद्दीन के साथ दावत से लौटकर घाटगेट स्थित लोहारों का खुर्रा इलाके में अपने घर जा रहा था।

वहीं साहिल आमेर में मेडिकल शॉप चलाता था। उसके घर में बहन जेबा की 12 नवंबर को शादी होनी थी। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। बहन की शादी के बाद साहिल की शादी करने की भी योजना थी, लेकिन हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। साहिल के भाई इरशाद ने आरोप लगाया कि कार सवार दोनों युवक नशे में थे और हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे थे।

हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। लोगों ने कार सवार अयान और उसके साथी सागर सोलंकी (25) को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। कार की तलाशी में बीयर की केन बरामद हुईं। हादसे के कारण सड़क पर जाम लग गया। पुलिस ने यातायात डायवर्ट कर स्थिति संभाली। आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया। मामले में दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसीपी आमेर प्रतीक सिंह भी एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे और घायलों की स्थिति की जानकारी ली। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें तेज रफ्तार कार बाइक को टक्कर मारती दिखाई दे रही है। पुलिस फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

## एसआईआर, ईवीएम और मतदाता सूची पर वैष्णव ने कांग्रेस से पूछे छह सवाल

**जयपुर** (कासं)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस एसआईआर, ईवीएम और मतदाता सूची को लेकर भ्रम फैला रही है। भाजपा और एनडीए इस मुद्दे को जनता के सामने ले जाएंगे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता में वैष्णव ने कहा कि सही मतदाता सूची लोकतंत्र का मूल आधार है। एसआईआर संविधान के तहत निर्धारित प्रक्रिया है, जो 1947 के बाद से कई बार हो चुकी है। ईवीएम कांग्रेस सरकार लेकर आई थी और इससे बूथ लूट जैसी घटनाओं पर रोक लगाने में मदद मिली। उन्होंने बैलेट पेपर से एमएलसी चुनाव कराने के बावजूद कांग्रेस की हार का उदाहरण देते हुए पूछा कि क्या कांग्रेस चुनाव परिणाम स्वीकार करेगी? वैष्णव ने कांग्रेस से छह सवाल पूछे कि क्या वह गैर-नागरिकों को मतदान का अधिकार देना चाहती है, मृतकों के नाम मतदाता सूची में बनाए रखना चाहती है और एक व्यक्ति के कई स्थानों पर नाम दर्ज रहने का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस संविधान में विश्वास करती है और संसद में सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है? उन्होंने दावा किया कि एसआईआर पर संसद में चर्चा के दौरान कांग्रेस वॉकआउट करेगी।

## पॉक्सो दोषी के नाबालिग होने के दावे की जांच के आदेश, 3 माह में रिपोर्ट मांगी

- **अदालत ने 20 साल के कठोर कारावास की सजा भुगत रहे युवक की सजा अपील के अंतिम निस्तारण तक उसे जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए**

**जयपुर** (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पॉक्सो के मामले में 20 साल के कठोर कारावास की सजा भुगत रहे युवक की सजा अपील के अंतिम निस्तारण तक निलंबित कर उसे जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने उसके घटना के समय नाबालिग होने के दावे की जांच कर तीन महीने में सीलबंद रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस प्रवीर भटनागर ने यह आदेश आरोपी की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि ट्रायल के दौरान किशोर होने का दावा नहीं उठाने मात्र से अपील के स्तर पर यह अधिकार समाप्त नहीं होता। यह दावा मामले के किसी भी चरण में उठाया जा सकता है।

अपीलार्थी के अधिवक्ता राजेश महर्षि ने अदालत को बताया मामला में जोबनेर थाने में 31 मार्च 2022 को एफआइआर दर्ज हुई थी। वहीं पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने अपीलार्थी को सजा सुनाई थी। कथित घटनाएं वर्ष 2018 से 2020 के बीच हुई थी। अपीलार्थी की दसवीं कक्षा की अंकतालिका, प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र और स्कॉलर रजिस्टर में जन्मतिथि 5 अप्रैल 2003 दर्ज है। ऐसे में कथित घटनाओं के समय उसकी उम्र 18 वर्ष से कम थी। ट्रायल के दौरान पूर्व अधिवक्ता की चूक के कारण किशोर होने का मुद्दा नहीं उठाया जा सका। इसका नुकसान अपीलार्थी को नहीं दिया जाना चाहिए। एफआईआर में बलात्कार का मुख्य आरोप सह-आरोपी शैतान सिंह पर है। अपीलार्थी के पास से कोई मोबाइल या वीडियो बरामद नहीं हुआ और उसका कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है।

## संकल्प पत्र के 78 फीसदी वादे पूरे, बाकी पर तेजी से काम : मुख्यमंत्री

- **बिजली खरीदने वाला राजस्थान अब बेचने की स्थिति में आया, 9 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर आए :भजनलाल शर्मा**
- **'सरकार का लक्ष्य हैं कि युवाओं को चार लाख सरकारी और छह लाख निजी रोजगार दे सकें'**

**जयपुर** । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने चुनावी संकल्प पत्र के करीब 78 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं और शेष पर तेजी से काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दशकों से लंबित जल परियोजनाओं को गति मिली है।

उन्होंने कहा कि देश के 10 अंतरराज्यीय जल समझौतों में से चार राजस्थान से जुड़े हैं। रामजल सेतु लिंक, यमुना जल, किशाऊ और नर्मदा परियोजनाओं से पेयजल, सिंचाई और उद्योगों की जरूरतें पूरी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली खरीदने वाला राजस्थान अब बेचने की स्थिति में है। प्रदेश 51.6 गीगावाट स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के साथ देश में पहले स्थान पर है और 27 जिलों में किसानों को दिन में बिजली मिल रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड के निवेश समझौते हुए, जिनमें से 9 लाख करोड़ के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। युवाओं को चार लाख सरकारी और छह लाख निजी रोजगार देने का लक्ष्य है। अब तक 1.93 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं, 1.18 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है और 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी है। निजी क्षेत्र में पांच लाख युवाओं को रोजगार मिला है तथा तीन लाख से अधिक को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता के तहत 381 अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित और करीब 700 के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर पेपरलीक, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधते हुए उन्होंने एसआईआर को मतदाता सूची शुद्ध करने की पारदर्शी प्रक्रिया बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2.05 लाख रुपये हो गई है। करीब 20 लाख महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं और लाडो प्रोत्साहन योजना से 10 लाख बालिकाएं लाभान्वित हुई हैं। बालिकाओं को 46 हजार स्कूटी और 13 लाख से अधिक साइकिलें दी गई हैं। किसानों को केंद्र की 6 हजार रुपये सम्मान निधि के साथ राज्य सरकार 3 हजार रुपये अतिरिक्त दे रही है, जिसे बढ़ाकर कुल 12 हजार रुपये किया जाएगा। किसानों को 67 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ब्याजमुक्त फसली ऋण और गेहूं खरीद पर 150 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है।

## अभिषेक चौधरी बने राजस्थान यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष



**जयपुर** (कासं)। राजस्थान यूथ कांग्रेस को नया प्रदेशाध्यक्ष मिल गया है। अभिषेक चौधरी को प्रदेशाध्यक्ष, अनिल चौपड़ा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और राजकुमार पारसवाल को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने गुरुवार को नियुक्ति आदेश जारी किए।

गौरतलब है कि 4 अक्टूबर को यूथ कांग्रेस चुनाव का परिणाम घोषित हुआ था। इसमें अभिषेक चौधरी 6.15 लाख वोट लेकर पहले, अनिल चौपड़ा 5.45 लाख वोट के साथ दूसरे और राजकुमार पारसवाल 1.95 लाख वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रभारी ने शीर्ष दावेदारों के साक्षात्कार लिए और अब आधिकारिक नियुक्तियों की घोषणा की गई है। प्रदेशाध्यक्ष और दोनों उपाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद अब राजस्थान यूथ कांग्रेस की नई कार्यकारिणी गठित होगी। जल्द ही अन्य प्रदेश पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जाएगी। नई कार्यकारिणी का कार्यकाल तीन साल का रहेगा।

## युवक का अपहरण करने वाले आर्मी जवान सहित 3 गिरफ्तार

### ठगी का बदला लेने के लिए आरोपियों ने पहले थार गाड़ी से टक्कर मारी, फिर डंडे-सरियों से जमकर पीटा

**जयपुर** (कासं)। ठगी का बदला लेने के लिए एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसका अपहरण करने के मामले में कालवाड़ थाना पुलिस ने आर्मी जवान सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पहले थार गाड़ी से युवक की कार को टक्कर मारी, फिर डंडों और सरियों से हमला कर उसे पिस्तौल की नोक पर अगवा कर लिया था। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल थार और स्विफ्ट कार बरामद की है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण के अनुसार पार्थ

- **मारपीट के बाद पिस्तौल दिखाकर कार में डालकर ले गए थे आरोपी**

सिटी निवासी मनीष यादव ने 2 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका बड़ा भाई गोविंद यादव अपनी स्विफ्ट कार में पडौसी कौशल स्वामी और अन्य दोस्तों के साथ रॉयल सिटी में जोधपुर मिष्ठान भंडार के पास खड़ा था। शाम करीब सात बजे गलत दिशा से आई काले रंग की थार ने गोविंद की कार को टक्कर मार दी। इसके बाद थार से उतरे छह-सात लोगों ने डंडों और सरियों से कार पर हमला कर दिया। इस दौरान कौशल और अन्य दोस्त मौके से भाग निकले, लेकिन हमलावरों ने गोविंद को सड़क पर पटककर मारपीट की और पिस्तौल की नोक पर जबरन थार में डालकर सुशांत सिटी की तरफ ले गए।

पुलिस जांच में सामने आया कि ठगी के विवाद का बदला लेने के लिए मुख्य साजिशकर्ता ने अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई थी। जिसके बाद कालवाड़ थानाधिकारी दिलीप सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी शाखा और जिला



विशेष शाखा की मदद से सीसीटीवी फुटेज खंगाले और आसूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान की और फिर आरोपित राजेश चौधरी (29) निवासी फागी जयपुर ग्रामीण, राजू लाल मीणा (28) निवासी दौसरा मंडालिया, माधोराजपुरा, फागी और भागीरथ गुर्जर (26) निवासी झाझेड़ा चौथ का बरवाड़ा, सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया है। राजेश चौधरी आर्मी जवान है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त थार और स्विफ्ट कार बरामद कर ली है। अन्य आरोपियों की तलाश और मामले की जांच जारी है।

## सार-समाचार

### 'सहकारी बैंक-पैक्स कर्मियों को बोनस दें'

**जयपुर** । ऑल राजस्थान कोऑपरेटिव बैंक एम्पलाइज यूनियन, ऑल राजस्थान कोऑपरेटिव बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं सहकारी साख समितियां एम्पलाईज यूनियन ने दीपावली से पहले जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (सीसीबी), भूमि विकास बैंकों (पीएलडीबी) और 7 हजार से अधिक पैक्स के कर्मचारियों को 12,500 रुपए बोनस देने की मांग की है। यूनियन के प्रांतीय महासचिव एवं सहकार नेता सूरजभान सिंह आमेरा ने रजिस्ट्रार सहकारी समितियां एवं प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता विभाग को ज्ञापन सौंपकर तत्काल भुगतान के आदेश जारी करने की मांग की। आमेरा ने बताया कि राजस्थान स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (अपेक्स बैंक) ने 4 नवंबर के आदेश तथा राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक ने 27 अक्टूबर के आदेश से वर्ष 2025-26 के लिए अपने कर्मचारियों, अधिकारियों एवं संविदाकर्मियों को 20 प्रतिशत या अधिकतम 12,500 रुपए बोनस/एक्स-ग्रेशिया स्वीकृत किया है। इसके बावजूद सीसीबी, पीएलडीबी और पैक्स के हजारों स्थायी, अस्थायी, दैनिक वेतनभोगी एवं संविदाकर्मियों को भुगतान के आदेश जारी नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि बोनस अधिनियम 1965 सभी सहकारी संस्थाओं पर समान रूप से लागू है। 90 दिन काम करने वाले कर्मचारी भी बोनस के पात्र हैं। दीपावली से पहले भुगतान नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। आमेरा ने रजिस्ट्रार से सभी संबंधित संस्थाओं को तत्काल भुगतान के निर्देश देने की मांग की।

### 'जुर्माना भरते ही वाहन छोड़ना होगा'

**जयपुर** । राजस्थान हाईकोर्ट ने जीएसटी से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया है कि वाहन पर निर्धारित जुर्माना और शास्ति की पूरी राशि जमा होने के बाद अधिकारियों को उसे कब्जे में रखने या जब्ती की कार्रवाई जारी रखने का अधिकार नहीं है। सीजे संजय के. अग्रवाल और न्यायाधीश समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश नीलम ननेचा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि माल के मालिक की धोखाधड़ी या गलत घोषणा के लिए वाहन मालिक को अनिश्चितकाल तक जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कानून किसी व्यक्ति से ऐसा काम करने की अपेक्षा नहीं करता, जिसे करना उसके लिए असंभव हो। हालांकि अदालत ने माल के संबंध में विभाग को नियमानुसार जब्ती और निस्तारण की छूट दी है। याचिका में अधिवक्ता देवेंद्र शर्मा ने बताया कि जीएसटी अधिकारियों ने याचिकाकर्ता का वाहन हिरासत में ले लिया था। वाहन और उसमें लदे माल के संबंध में 10 अक्टूबर 2026 को पारित आदेश से 71,686 रुपए की शास्ति और जुर्माना लगाया गया। याचिकाकर्ता ने पूरी राशि जमा करा दी, लेकिन इसके बावजूद वाहन अधिकारियों के कब्जे में रहा। याचिका में कहा गया कि वाहन से संबंधित जुर्माना जमा कराने के बाद माल में रखी वस्तुओं के कर-जुर्माने की अदायगी नहीं होने के लिए वाहन मालिक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

### दोस्ती गांठकर युवक का अपहरण किया

**जयपुर** । ऑनलाइन दोस्ती के जरिए युवक को मिलने के बहाने बुलाकर अपहरण करने और मारपीट कर एक लाख रुपए की फिरौती वसूलने का मामला सामने आया है। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार परिवादी कपिल कुमार जांगिड ने 27 अक्टूबर को खोह नागोरियान थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि एक व्यक्ति से उसकी ऑनलाइन दोस्ती हुई थी। आरोपी ने मिलने के बहाने उसे जगतपुरा रेलवे स्टेशन बुलाया। वहां से उसे अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर रिंग रोड की पुलिया के नीचे ले गया, जहां उसके तीन अन्य साथी पहले से मौजूद थे। आरोपियों ने युवक को बंधक बनाकर मारपीट की और उसका मोबाइल फोन, सोने की अंगूठी तथा 10 हजार रुपए छीन लिए। इसके बाद जबरन मोबाइल का लॉक खुलवाकर यूपीआई पिन हासिल किया और ऑनलाइन एक लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। आरोपी उसे अपनी गाडी में डालकर करौली ले गए। वहां से पीड़ित किसी तरह उनके चंगुल से निकलकर वापस लौटा। खोह नागोरियान थानाधिकारी सुनील गोदारा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पवन मीणा उर्फ पदम मीणा (23) पुत्र धमसिंह मीणा निवासी शहर कस्बा, तहसील नादौती, जिला करौली है। वह वर्तमान में खोह नागोरियान के इंदिरा गांधी नगर सेक्टर-14 में किराए पर रह रहा था।

### कमजोर बैंकों को सुधार के निर्देश दिए

**जयपुर** । शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार सहकारिता डॉ. समित शर्मा ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से राजस्थान राज्य क्रय-विक्रय सहकारी संघ, राजस्थान उपभोक्ता सहकारी संघ, राज्य भूमि विकास बैंक और सहकारी समितियों की समीक्षा की। अक्टूबर-2026 की केपीआई रैंकिंग में ब्यावर भंडार प्रथम, टोंक द्वितीय और उदयपुर तृतीय स्थान पर रहे। डॉ. शर्मा ने गुणवत्तायुक्त एवं सस्ती जेनेरिक दवाइयां, उपभोक्ता सामग्री और प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्रों की सुविधाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। क्रय-विक्रय सहकारी संघ को गोदामों की जियोटैगिंग, आधार सक्षम उपस्थिति प्रणाली पर मैपिंग और उनकी उपयोगिता सुनिश्चित करने को कहा। एमएसपी खरीद में तीन दिन में 50 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ है तथा किसान पंजीकरण 2 नवंबर से शुरू हो चुका है। दिसंबर से समितियां एनसीसीएफ और नैफेड के उत्पाद भी बेच सकेंगी। सीताफल के गूदे और जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। भूमि विकास बैंकों की समीक्षा में ऋण वसूली नहीं करने वालों पर कार्रवाई, लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण और अवधिपार ऋणों की शत-प्रतिशत पत्रावलियां पोर्टल पर अपलोड कराने को कहा। भीलवाड़ा, अजमेर व केकडी के बैंकों की स्थिति बेहद कमजोर पाई गई।

### कार में आग, 3 लाख रुपए और लैपटॉप जले

**जयपुर** । जवाहर सर्किल थाना क्षेत्र में होटल मैरियट के पीछे गुरुवार सुबह खड़ी हुंडई वेन्यू कार में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी कार जलकर खाक हो गई। कार में रखे तीन लाख रुपए नकद और लैपटॉप भी जल गए। सूचना पर पहुंची दमकल ने स्थानीय लोगों की मदद से मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कार मालिक रामफूल गुर्जर ने बताया कि वह पेशे से प्लंबर हैं। गुरुवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे जवाहर सर्किल स्थित एक क्लाइंट के कार्यालय आए थे। उन्होंने अपनी कार होटल मैरियट के पीछे ग्राउंड फ्लोर स्थित कार्यालय के बाहर खड़ी की और अंदर चले गए। कुछ देर बाद बाहर मौजूद लोगों ने कार में आग लगने की सूचना दी।

## एसएमएस कार्डियक सेंटर में जल्द शुरू होंगी आपातकालीन सेवाएं

**जयपुर** (कासं)। सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में बन रहा एक्सीलेंस ऑफ कार्डियक सेंटर अब पूरी तरह शुरू होने की दिशा में आगे बढ़ गया है। सेंटर के पहले चरण का काम पूरा हो चुका है। यहां ओपीडी के बाद अत्याधुनिक कैथ लैब भी शुरू कर दी गई है। अब दीपावली के बाद सेंटर में हृदय रोगियों के लिए इमरजेंसी सेवाएं भी शुरू करने की तैयारी है। इसके बाद मरीजों को दिल से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल के अलग-अलग विभागों और इमरजेंसी के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक माहेश्वरी के अनुसार, सेंटर में सबसे पहले ओपीडी शुरू की गई थी, जहां प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया जा रहा है। हाल ही में यहां अत्याधुनिक कैथ लैब भी शुरू कर दी गई है। हालांकि, फिलहाल हृदय रोग से जुड़े आपातकालीन मरीजों को अस्पताल की पुरानी इमरजेंसी में ही उपचार के लिए ले जाना पड रहा है। दीपावली के बाद सेंटर में इमरजेंसी सेवाएं शुरू होने से यह व्यवस्था भी एक ही परिसर में उपलब्ध हो जाएगी।

उत्तर भारत के सरकारी क्षेत्र के इस तरह के पहले कार्डियक सेंटर के रूप में विकसित किए जा रहे इस केंद्र में हृदय रोगों की जांच से लेकर उपचार तक की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। यहां एमआरआई, सीटी स्कैन, टीएमटी, होल्टर, आइसोटोप लैब और 2डी ईको जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा कैथ लैब की संख्या भी बढ़ेगी। वर्तमान में एसएमएस अस्पताल में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी के लिए चार कैथ लैब संचालित हैं। कार्डियक सेंटर शुरू होने के बाद इनकी संख्या बढ़कर छह हो जाएगी।

डॉ. माहेश्वरी के अनुसार, सेंटर में अभी कुछ जरूरी उपकरण स्थापित किए जाने बाकी हैं। इन्हें लगाने के बाद केंद्र को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जा सकेगा। उनका कहना है कि भविष्य में यहां हार्ट ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू करना भी लक्ष्य है। इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले कुछ समय में हृदय रोगियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में कार्डियोलॉजी विभाग पर मरीजों का दबाव भी बढ़ रहा है। नए सेंटर के शुरू होने से मरीजों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर और एकीकृत उपचार मिल सकेगा। एसएमएस अस्पताल का यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट दो चरणों में तैयार किया जा रहा है। इसकी शुरुआत पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुई थी। योजना के अनुसार, इसी साल जनवरी तक यहां हृदय रोगियों का उपचार शुरू किया जाना था, लेकिन निर्माण और अन्य कार्यों में लगातार देरी के कारण इसकी शुरुआत टलती रही।

## हैड कांस्टेबल से सीआई तक पदोन्नति मामले में एकलपीठ का आदेश बरकरार

**जयपुर** । राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में हैड कांस्टेबल से सीआई तक की लंबे समय से अटकी पदोन्नतियों के मामले में एकलपीठ के गत 30 सितंबर के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश तेजराम की अपील को खारिज करते हुए दिए। खंडपीठ ने कहा कि अपीलार्थी ऐसा कोई भी साक्ष्य पेश करने में असफल रहे हैं, जिसके आधार पर एकलपीठ के निर्णय में हस्तक्षेप किया जा सके। एकलपीठ के आदेश में ऐसी कोई अवैधता, गलती या क्षेत्राधिकार संबंधी त्रुटि नहीं है, जिससे कि खंडपीठ को उसमें दखल देना पडे। अपील में एकलपीठ के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसने हैड कांस्टेबल से सीआई तक के पद पर होने वाली पदोन्नतियों पर लगी रोक हटाते हुए पदोन्नति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कर दी थी। इसके अलावा राज्य सरकार व पुलिस विभाग को 1989 के नियमानुसार पदोन्नति प्रक्रिया आगे बढाने के लिए कहा था। एकलपीठ ने राज्य सरकार व पुलिस विभाग की साल 2013-14 के खाली पदों पर की गई पदोन्नति प्रक्रिया को सही ठहराते हुए कहा कि इसमें मनमाना व एकतरफा बदलाव नहीं किया है और यह नियमों के तहत ही है। इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 के नियमानुसार हर साल की पदोन्नति रिक्तियों का अलग-अलग निर्धारण कर उन्हें भरना चाहिए तथा खाली पद अगले वर्षों में आगे बढाए जाने चाहिए। इसके जवाब में राज्य सरकार के एएजी भुवनेश शर्मा ने कहा कि सरकार ने नियमानुसार ही पदोन्नति प्रक्रिया की है।

## बार कौंसिल ने कल्याण कोष की राशि बढ़ाने और अजमेर में अधिवक्ता भवन की मांग रखी

**जयपुर** (कासं)। प्रदेश के अधिवक्ताओं के कल्याण, उनकी समस्याओं के निराकरण और सुविधाओं के विस्तार को लेकर बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से मुलाकात की। बैठक में अधिवक्ता कल्याण कोष की सहायता राशि बढ़ाने, अजमेर में अधिवक्ता भवन के लिए भूमि आवंटित करने और निर्माण के लिए वित्तीय सहायता देने सहित विभिन्न मांगें रखी गईं।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार की बजट घोषणा की क्रियान्विति के तहत अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए बार कौंसिल को दी जाने वाली अधिवक्ता कल्याण कोष की सहायता राशि में वृद्धि का आग्रह किया। साथ ही अजमेर में राजस्व न्यायालय संचालित होने के कारण प्रदेशभर से आने वाले



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से गुरूवार को बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए भवन निर्माण की आवश्यकता बताई। बार कौंसिल के नवीन भवन में कार्यालय संचालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। इसके अलावा मुख्यमंत्री अधिवक्ता कल्याण योजना का लाभ सभी पात्र अधिवक्ताओं तक पहुंचाने और योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों एवं सुझावों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके उचित निराकरण का आश्वासन दिया। बैठक में विधि विभाग के प्रमुख शासन सचिव राघवेन्द्र काछवाल, बार कौंसिल ऑफ राजस्थान, जोधपुर के अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह शक्तावत तथा संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## 600 किलो की अनुमति, पटाखे की दुकान में मिला 3745 किलो बारूद

**जयपुर** । दीपावली पर अवैध विस्फोटक सामग्री और निर्धारित सीमा से अधिक पटाखों का भंडारण करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है।

शिवदासपुरा थाना पुलिस और सीएसटी टीम ने गोनेर में बिजली पावर हाउस के पास स्थित श्री श्याम पटाखा शॉप पर छापा मारकर 3745 किलोग्राम पटाखे सील किए। दुकान संचालक के पास महज 600 किलोग्राम पटाखे रखने का लाइसेंस था। पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सीएसटी टीम प्रभारी सुनील नागरवाल से मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

जांच में सामने आया कि दुकान संचालक ओमप्रकाश शर्मा (45) ने लाइसेंस की निर्धारित सीमा से छह गुना से अधिक पटाखों का भंडारण कर रखा था।



पुलिस ने मौके पर दोनों दुकानों में रखे कुल 3745 किलोग्राम पटाखों को सील-मोहर कर दिया। पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश शर्मा निवासी बिजली पावर हाउस के पास गोनेर के खिलाफ शिवदासपुरा थाने में मुकदमा दर्ज किया है।

ARBiT
it happens here...



**Crunch, Cheese, and Celebration!**

National Nachos Day is a fun-filled celebration of one of the world's most beloved snack creations. Crispy tortilla chips loaded with melted cheese, jalapeños, beans, guacamole, and other toppings make nachos a perfect treat for parties, movie nights, or casual snacking. Observed annually, the day encourages food lovers to get creative with their nacho recipes, exploring spicy, cheesy, and gourmet variations. Beyond being delicious, nachos bring people together, sparking joy and sharing at family gatherings or social events. National Nachos Day is a flavourful reminder to indulge, experiment, and celebrate the simple pleasures of good food.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
06 November 2026
A-B

#ICONS

# Old Monk Sold On Flavour, Not Advertising

Rich flavour, affordable price, and strong loyalty from customers. Friends recommended it to friends, and that word of mouth became its biggest strength




Old Monk is one of India's most iconic rum brands, and its story is as unique as its taste. The man behind it, Brigadier Kapil Mohan, never drank alcohol himself. Yet, he went on to build a rum empire that generations of Indians deeply connect with. Old Monk was first launched in 1954 and slowly became a household name.




What made Old Monk special was that it never spent money on advertising. There were no big billboards or celebrity endorsements. Instead, the brand grew through its rich flavour, affordable price, and strong loyalty from customers. Friends recommended it to friends, and that word of mouth became its biggest strength. Today, Old Monk is not just loved in India but also across the world. It is exported to 22 countries and has built an export market worth 10.3 million dollars. It proves that sometimes, the strongest brands are not sold loudly but shared quietly.

#FAMILIES

# From Fury To Poetry The Mughal Line

In the middle of the seal is the name of Bahadur Shah Zafar. The calligraphy reads Abu Zafar Sirajuddin Mohammed Bahadur Shah Badshah Ghazi

This is the seal of last Mughal emperor Bahadur Shah Zafar. If we look closer, we find that the seal consists of his bloodline and not just his name. Generation after generation, the seal traces backwards through time, and then, it stops at one name, Amir Timur. So, let us break down all the names written on the seal.



In the middle of the seal is the name of Bahadur Shah Zafar. The calligraphy reads Abu Zafar Sirajuddin Mohammed Bahadur Shah Badshah Ghazi. Around his names are the names of his father and his father's father and so on. First, we have Mohammed Akbar Shah, who was the father of Bahadur Shah Zafar. Then, we have Badshah Shah Alam, and then, Badshah Alamgir. It should not be confused with Aurangzeb Alamgir. Then, we have Jahandar Shah, who is the son of Shah Alam, the first, who is also known as Bahadur Shah the first. Then we have his father Aurangzeb Alamgir, who was the son of Shah Jahan. Then, we have Badshah Jahangir and then the greatest Mughal emperor, Akbar. Then, we have Humayun and finally, Babur, the founder of the Mughal Empire. But this family tree doesn't end here.

We now have the father of Babur, Umar Sheikh Mirza, who was the son of Abu Saeed Mirza. And then, we have his father, Mohammed Mirza, and then, Miran Shah. And then, finally at the top, we have Amir Timur. So, this is how the Mughal Line, or the Timurid Line, began with the fury of Timur, and finally ended with a poet writing verses on the walls of a jail cell.




South Korean serials, which are equally popular among Indian audiences, have done something similar, albeit differently. The blockbuster series 'Crash Landing on You' became a huge hit partly because it offered a glimpse of ordinary North Korean life. North Koreans were shown as people who had enough food, could crack jokes, laugh and fall in love. Earlier, most serials were largely about the cruelty of the repressive North Korean regime, food shortages and abject poverty.

# Why Pakistani Serials Are So Popular With Indian Audience



Asif Ullah Khan
*A veteran journalist who has written for The Khaleej Times and The Brunei Times*

When two countries are locked in hostility, political rhetoric and media narratives often blur reality, reducing entire populations to convenient stereotypes. The popularity of Pakistani serials in India can be attributed, in part, to the way they have challenged these preconceived notions. Indian audiences have discovered a society that is far more familiar and nuanced than the image they have been conditioned to associate with Pakistan.

The characters, their relationships, family dynamics, social conventions and everyday dilemmas strike a familiar chord, while the distinct cultural ethos, with its Muslim influences, lends the stories a different flavour. In doing so, these serials offer a more textured and human portrait of a society that is too often viewed through the narrow prism of political hostility.



The credit must be given to what was once called the "idiot box" which has brought a refreshing and pleasant change to these narratives.

South Korean serials, which are equally popular among Indian audiences, have done something similar, albeit differently. The blockbuster series 'Crash Landing on You' became a huge hit partly because it offered a glimpse of ordinary North Korean life. North Koreans were shown as people who had enough food, could crack jokes, laugh and fall in love. Earlier, most serials were largely about the cruelty of the repressive North Korean regime, food shortages and abject poverty.

Pakistani serials have become 'Crash Landing on You' for the Indian audience. When Indian audiences began watching Pakistani serials, they encountered a picture of Pakistan quite different from the one they had in mind. The eye wanders over the lovely clothes the characters wear, their swanky cars, palatial homes, streets, markets, wedding festivities and every other detail of everyday life that makes viewers feel closer to people they had considered different and hostile.

Topping the cake are the Urdu dialogues, which have become less prominent in mainstream Hindi films and television serials. At a time when profanities have become commonplace in shows like Mirzapur, Pakistani dramas offer something that families can watch together.

There is also the pleasure of listening to Urdu as a living language rather than merely encountering it in film songs, poetry or occasional dialogue. Its expressions of affection, anger, courtesy and longing give conversations a particular texture. For Hindi-speaking viewers, much of it is immediately intelligible, yet, the vocabulary and cadence can still feel like a rediscovery of something familiar.

The influence has spilled over into everyday conversations and Instagram reels. Young Indians are picking up expressions such as Ammi Jaan, Abba Jaan, Janaab, Meherbani and Beshak, often imitating the way characters speak in Pakistani dramas. A son suddenly addressing his mother as "Ammi Jaan" instead of Mummy has become a source of amusement, particularly when the bewildered mother has no idea where this new vocabulary has come from. What is interesting is that viewers are not merely watching Pakistani entertainment; they are borrowing its language and mannerisms. Pakistani television has become an unlikely Urdu tutor for a generation of Indian youngsters.

The popularity of *Dar-e-Nijaat*, starring Sheheryar Munawar, Durefishan Saleem and Nameer Nawaz Khan, is the latest example of this fascination. Indian viewers have followed the characters and their relationships, discussing plot developments and sharing scenes on social media. The drama even provided an unexpected moment of cross-border recognition when viewers spotted a shopping bag bearing the logo of Indian jewellery brand Malabar Gold & Diamonds during Abu Bakar and Zaryab's nikah scene. It was an incidental detail, but an amusing one: an Indian brand had found its way into a Pakistani wedding sequence watched by audiences on both sides of the border. Such small details perhaps capture the cultural connections between the two countries better than grand declarations about shared heritage.

Fed up with seemingly endless, exaggerated saas-bahu sagas, Indian viewers have found a refreshing alternative in serials that centre on marriage, family relationships, betrayal, sacrifice and social expectations. Truly, we are sick of the *saas bahu*.

Underlying this domestic appeal is a shared, deeply entrenched South Asian reality: the mechanics of patriarchy. While political rhetoric projects a civilisational divide, these dramas reveal that women on both sides of the border navigate strikingly similar social pressures. Family honour (izzat), expectations of female compromise, complicated mother-in-law relationships and the constant negotiation for personal agency are familiar themes across the subcontinent. By showing how ordinary women endure, resist or manoeuvre within these family structures, the serials reveal a shared social reality that transcends the border.

Another departure is the portrayal of Muslim culture. Although India has more than 21 crore Muslims, Hindi films and serials have often presented stereotypical images of them. Earlier, there used to be Inspector Khan or Ali, a friend of the hero, or a street urchin in a skullcap and mesh vest, chewing paan.

Nowadays, political polarisation has made the Muslim character a villain, an extremist or a perpetual outsider in many popular narratives. What has been steadily erased in this process is normalcy, the everyday lives of Muslim families navigating work, aspiration, compromise and survival, like millions of others. Pakistani serials have brought back this sense of normalcy. Of course, like Indian serials, poverty and slums have largely disappeared from Pakistani dramas, even in cases involving class conflict.

Many people argue that shared culture, language, family structures, customs and social settings make these stories appealing to Indian audiences. This is correct, but it tells only part of the story. A large section of the Indian population is unfamiliar with many Muslim cultural practices. They may recognise the words "qubool hai" without knowing much about the nikah ceremony in which they are spoken. Similarly, like the sangeet ceremony in India, the mehndi ceremony in Pakistan has become an elaborate affair.

What makes this cultural encounter interesting is that Pakistan is neither entirely unfamiliar nor exactly like India. An Indian viewer can recognise the anxieties of a mother worried about her daughter's marriage, the tensions between a daughter-in-law and her in-laws, or the excitement surrounding a wedding. Yet, the way these emotions are expressed, the language in which family members address one another, and the rituals accompanying marriage offer something different. It is a curious combination of recognition and discovery: the people seem familiar, but their world has details that the viewer is only beginning to understand.

Lastly, given the popularity of Pakistani serials in India, their makers have largely kept political enmity and contentious issues like Kashmir out of their narratives. Instead, they focus on the everyday concerns of people on the other side of the border, allowing viewers to look beyond the political hostility that dominates relations between the two countries.

Like 'Crash Landing on You,' Pakistani serials offer a tantalising glimpse of life across the border. They may not present the whole truth about Pakistan, but they show something that political rhetoric often obscures: people who love, laugh, quarrel, celebrate and worry about the same ordinary things as everyone else. Sometimes, seeing those everyday details is enough to make the people across a hostile border seem a little less distant. And that is the power of culture, because it can bring people closer.

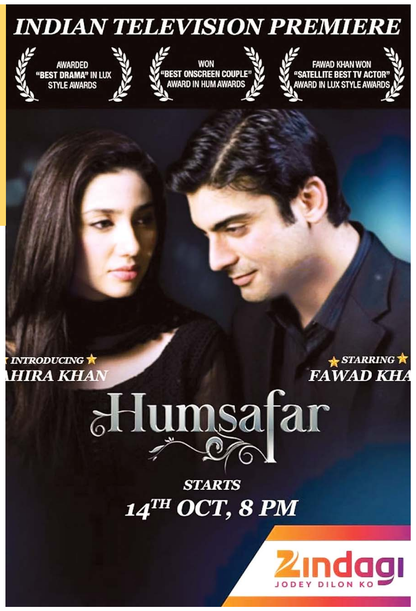
rajeshsharma1049@gmail.com

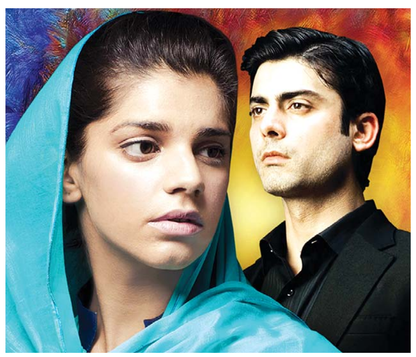
#CRASH LANDING ON YOU






There is also the pleasure of listening to Urdu as a living language rather than merely encountering it in film songs, poetry or occasional dialogue. Its expressions of affection, anger, courtesy and longing give conversations a particular texture. For Hindi-speaking viewers, much of it is immediately intelligible...



#BONDING

# Sing To Your Baby

The powerful impact of singing during pregnancy on baby's brain and emotional development



When a pregnant woman sings, it does far more than simply pass the time or provide comfort, it plays a significant role in supporting her baby's brain health, emotional development, and early bonding, even while still in the womb.

### Fetal Hearing and Early Auditory Stimulation

Babies begin developing the ability to hear sounds from the external environment around 16 to 18 weeks of gestation. By 24 weeks, the fetal auditory system is more developed, allowing the baby to perceive sounds such as the mother's voice, heartbeat, and environmental noise with increasing clarity. When a mother sings, her voice becomes a consistent and rhythmic auditory stimulus, providing the fetus with opportunities to practice sound discrimination and voice recognition. Repetition of melodies and tones helps train the fetal brain to identify patterns in sound, laying a foundation for auditory processing skills that will be essential after birth.

### Boosting Brain Development and Language Skills

Scientific research has shown that prenatal exposure to music, particularly the mother's singing, is associated with enhanced neural encoding of speech sounds in infants (PMID: 37081418). This suggests that musical stimulation in the womb may support early language development, enabling the infant brain to process speech more efficiently once born. Singing also stimulates the fetus's auditory cortex, enhancing its neuroplasticity, the brain's ability to form and reorganize neural connections. Low-frequency rhythmic components of music, which are particularly soothing and easily transmitted through the womb, play an essential role in organizing these neural pathways.

### Emotional Regulation and Reduced Stress in the Womb

Beyond cognitive development, music has a powerful emotional impact on both mother and baby. When a pregnant woman sings, it triggers the release of oxytocin (the "bonding hormone") and serotonin (the "feel-good hormone") in her body. These chemicals cross the placenta, potentially promoting a sense of calm, security, and well-being in the fetus.

Studies indicate that fetuses who are exposed to regular singing and music show more stable heart rates, reduced fetal stress indicators, and improved behavioural responses after birth, including better orientation and habituation abilities (PMID: 32776296). These are early signs of emotional self-regulation and cognitive attention, skills that support lifelong mental health and learning.



### Postnatal Benefits: Soothing, Bonding, and Lower Stress

The benefits of prenatal singing extend into the newborn period. Infants who heard consistent melodies in the womb often recognize and respond to those same melodies after birth. Familiar songs serve as a soothing mechanism, helping the baby calm more easily in stressful or overstimulating situations. This not only supports the infant's emotional regulation but also strengthens the bond between mother and child.

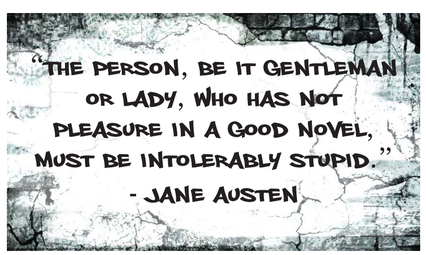
Moreover, research has shown that mothers who sing lullabies regularly during pregnancy report fewer episodes of infant crying and reduced occurrences of colic in the first month of life. These mothers also tend to experience lower levels of postpartum stress and anxiety, suggesting that singing offers psychological benefits for both mother and child.

### Conclusion: A Simple, Natural, and Powerful Tool

Singing during pregnancy is a simple, natural act with profound developmental and emotional benefits. It promotes early brain development, helps regulate the baby's emotional state, and lays the foundation for language learning and secure attachment. For expectant mothers, singing can become a meaningful ritual, offering comfort, joy, and connection in the months before birth and beyond.

Whether it's a lullaby, a favourite song, or a spontaneous tune from the heart, a mother's voice is the first music her baby will ever know, and one that carries lifelong impact.

**THE WALL**

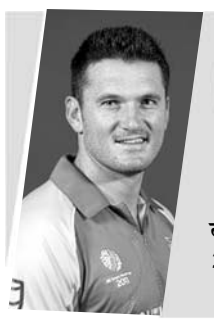



**BABY BLUES** By Rick Kirkman & Jerry Scott




**ZITS** By Jerry Scott & Jim Borgman





पांचवां संस्करण, पिछले चार संस्करणों में देखने को मिले क्रिकेट के स्तर में सुधार के सिलसिले को आगे बढ़ाएगा। **-ग्रीम स्मिथ**

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज, टी-20 लीग को लेकर बोलते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**



**दीप्ति शर्मा**

**अंतरराष्ट्रीय** क्रिकेट परिषद ने अक्टूबर महीने के लिए महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के नामांकित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। महिला वर्ग में भारत की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, बांग्लादेश की बल्लेबाज शोभना मोस्तरी और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को जगह मिली है। तीनों खिलाड़ियों ने अक्टूबर में बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीमों की सफलता में अहम योगदान दिया। दीप्ति शर्मा भारतीय टीम की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के लिए अक्टूबर का महीना शानदार रहा।

**क्या आप जानते हैं ?...** भारत के नाम टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में किसी पूर्ण सदस्य टीम द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर 297/6 (12 अक्टूबर 2024 को) दर्ज है।

## तन्मय और साद के अर्धशतकों से नेशनल क्रिकेट एकेडमी जीती

जयपुर, 5 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में नेशनल क्रिकेट एकेडमी ने कल्बेलिया क्रिकेट एकेडमी को 78 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेशनल क्रिकेट एकेडमी ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 216 रन बनाए। तनमय सांखला ने मात्र 18 गेंदों पर 7 चौके और 5 छक्कों की मदद से 65 रन, जबकि मोहम्मद साद ने 33 गेंदों पर 3 चौके और 8 छक्कों की मदद से 72 रन की शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। दिव्यांश ने 30 और विजय चौधरी ने 26 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए कल्बेलिया क्रिकेट एकेडमी की टीम 18.3 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। अर्थ अग्रवाल ने 37 और हर्षित कुमावत ने 36 रन बनाए। नेशनल क्रिकेट एकेडमी की ओर से सौरभ सिंह शेखावत ने 17 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। पार्थ शर्मा ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार तन्मय सांखला को दिया गया।

## राजस्थान की जूनियर कबड्डी टीम ने रचा इतिहास, हरियाणा को हराकर जीता स्वर्ण पदक



जयपुर, 5 नवंबर। पटना (बिहार) के पाटलिपुत्र स्टेडियम में 1 से 4 नवंबर तक आयोजित 52वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप में राजस्थान की बालक टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में राजस्थान ने हरियाणा को 50-44 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने बताया कि राजस्थान की टीम ने प्रतियोगिता में शुरुआत से ही दमदार प्रदर्शन किया। टीम ने पहले मुकाबले में केरल को 54-9 से, उत्तर प्रदेश को 46-34 से और मेजबान बिहार को 52-27 से हराया। सेमीफाइनल में तमिलनाडु को 52-25 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में हरियाणा को रोमांचक संघर्ष में 50-44 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीत लिया। राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। राजस्थान टीम में कप्तान रवि कुमार के साथ राहुल, सचिन, राधेश्याम, दीशांत, प्रवीण, सुनील, पवन, ईशान, अनुज, प्रेमसुख, लोकेश, दीपक और साहिल शामिल थे। टीम के कोच सोहनलाल तथा संदीप ने भी इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## आरसीसी क्रिकेट अकादमी ने एनबी क्रिकेट अकादमी को 104 रन से हराया

जयपुर, 5 नवंबर। यू-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में आरसीसी क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंनबी क्रिकेट अकादमी को 104 रन से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीसी क्रिकेट अकादमी ने 38.4 ओवर में 260 रन बनाकर ऑलआउट हुई। चिंटू यादव ने 83 रन की शानदार पारी खेली, जबकि जय शर्मा ने 29 तथा मोहित शर्मा और विराट ने 27-27 रन बनाए। एंनबी क्रिकेट अकादमी की ओर से पूर्वांश अग्रवाल ने 4 और अनुभव शर्मा ने 3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एंनबी क्रिकेट अकादमी की टीम निर्धारित 40 ओवर में 6 विकेट पर 156 रन ही बना सकी। निवेन राव ने 27 और मेहुल खंडेलवाल ने 26 रन बनाए। आरसीसी की ओर से रेहान लुणावत ने 3 और विराज ने 2 विकेट लिए। शानदार बल्लेबाजी के लिए चिंटू यादव को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

## भीलवाड़ा की यशविता मिक्स्ड डबल्स के सेमीफाइनल में



जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में जयपुर की डीएमआर एकेडमी में आयोजित राजस्थान राज्य सब-जूनियर (अंडर-15) बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार को रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में भीलवाड़ा की यशविता मेवाड़ा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिक्स्ड डबल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यशविता ने आनंद मादेरणा के साथ खेलते हुए राउंड ऑफ-16 में चैतन्य अस्थाना एवं विधि चितले की जोड़ी को 15-6, 15-11 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में उत्कर्ष सिंह राठौड़ एवं आराध्या धींगरा की जोड़ी को 15-10, 15-12 से पराजित कर अंतिम चार में जगह बनाई। यशविता ने गर्ल्स डबल्स में खुशी शर्मा के साथ भी अच्छा प्रदर्शन किया। दोनों ने राउंड ऑफ-16 में आरवी सैनी एवं स्वरा टकसाली की जोड़ी को 15-7, 15-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि गर्ल्स सिंगल्स के राउंड ऑफ-16 में यशविता को साक्षी सिंह के खिलाफ 10-15, 9-15 से हार का सामना करना पड़ा।

# सैफ चैम्पियनशिप : भारत ने जीत के साथ की शुरुआत, पाकिस्तान को 3-2 से हराया



ढाका, 5 नवंबर। गत चैंपियन भारतीय फुटबॉल टीम ने सैफ चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान का शुरुआत की है। गुरुवार को बांग्लादेश के ढाका स्थित नेशनल स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-बी के पहले मुकाबले में भारत ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से शिकस्त दी। भारतीय टीम ने पहले हाफ में तीन गोल दागकर मजबूत बढ़त बना ली थी लेकिन पाकिस्तान ने इंजरी टाइम में दो गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। हालांकि, भारत ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की।

मुकाबले की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक रुख अपनाया। 13वें मिनट में सुहैल अहमद भट ने पाकिस्तानी रक्षापंक्ति को भेदते हुए शानदार गोल किया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके छह मिनट बाद यानी 19वें मिनट में सुहैल ने एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। भारतीय टीम ने आक्रमण जारी रखा और 31वें मिनट में मैंगलेंथांग किपगेन ने बेहतरीन गोल करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने खेल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, भारत अपनी बढ़त में इजाफा नहीं कर सका लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने भी पाकिस्तान को गोल का कोई मौका नहीं दिया। मुकाबले के इंजरी टाइम में पाकिस्तान ने अचानक वापसी की कोशिश की। नजीब उल्लाह ने 90 1वें मिनट में गोल कर पाकिस्तान का खाता खोला। इसके तीन मिनट बाद 90 4वें मिनट में आलमगीर गाजी ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 3-2 कर दिया।

लगातार दो गोल खाने के बाद भारतीय खेमे पर दबाव बढ़ गया लेकिन खिलाड़ियों ने संयम बनाए रखा और अंत तक अपनी बढ़त बरकरार रखी। इस तरह भारत ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम अब अपना अगला मुकाबला 11 नवंबर को ढाका के नेशनल स्टेडियम में मालदीव के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट के प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।



## भारत ने जापान को 4-1 से हराकर छठी बार जीता खिताब

नई दिल्ली, 5 नवंबर। चैंपियन भारत ने बृहस्पतिवार को यहां पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में जापान को 4-1 से हराकर खिताबों की हैट्रिक पूरी की और कुल छठी बार यह ट्रॉफी अपने नाम की। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम इससे पहले 2011, 2016, 2018, 2023 और 2024 में भी यह टूर्नामेंट जीत चुकी है। जापान ने तीसरे ही मिनट में काजुमासा मात्सुमोतो के मैदानी गोल की मदद से भारतीय टीम को चौंका दिया। इसके बाद भारत ने लय हासिल की। शिलानंद लाकड़ा (42वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर से, दिलप्रीत सिंह (48वें मिनट) ने मैदानी गोल और जुगराज ने 53वें मिनट में 'सेट-पीस' के जरिए गोल किए। विवेक सागर प्रसाद ने 54वें मिनट में गोल करके घरेलू टीम के लिए स्कोर 4-1 कर दिया। भारत ने इससे पहले जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह स्टेडियम में टूर्नामेंट के राउंड-रॉबिन चरण में भी जापान को 4-1 से हराया था। लेकिन बृहस्पतिवार को जापान ने पहले दो क्वार्टर में भारत को कड़ी टक्कर दी। हालांकि दूसरे हाफ में घरेलू टीम ने जोरदार वापसी की। भारत ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन तीसरे ही मिनट में जापान ने मात्सुमोतो के गोल से बढ़त बना ली। मात्सुमोतो ने 'टोमाहॉक' शॉट से गोल करके ओलंपियन बलबीर सिंह स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को हैरान कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने तेजी दिखाई और कुछ मौके भी बनाए, लेकिन वे उन्हें गोल में बदलने में नाकाम रहे। 53वें मिनट में जुगराज ने भारत के तीसरे पेनल्टी कॉर्नर को सटीक तरीके से गोल में बदलकर बढ़त को और बढ़ा दिया। इसके बाद भारत को रोकना मुश्किल हो गया। लकड़ा के शुरुआती शॉट को जापानी गोलकीपर ने रोक दिया था, लेकिन उसके बाद विवेक ने सर्कल के ऊपर से एक जोरदार हिट लगाकर गोल कर दिया। मैच खत्म होने के ठीक 12 सेकेंड पहले जापान को अपना चौथा पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कप्तान फुजीशिमा का शॉट बाहर चला गया। इस तरह भारत टूर्नामेंट में अजेय बना रहा।

# ब्राजील के अंडर-20 फुटबॉल मैच में हिंसक झड़प, रेफरी ने दिखाए 51 रेड कार्ड



नई दिल्ली, 5 नवंबर। ब्राजील में फुटबॉल के मैदान पर ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। अंडर-20 मुकाबले में खिलाड़ियों और अधिकारियों के बीच ऐसी भिड़ंत हुई कि रेफरी को कुल 51 लाल कार्ड दिखाने पड़े।

हालात इतने बिगड़ गए कि मैच को 60 मिनट पूरे होने से पहले ही रद्द करना पड़ा। यह घटना ब्राजील के मिनास गेराइस राज्य में हुई, जहां अंडर-20 कैम्पियोनाटो माइनिरो के दूसरे डिवीजन के सेमीफाइनल में उबरलैंडिया और मामोरे की टीमें आमने-सामने थीं। मुकाबला उबरलैंडिया के घरेलू मैदान एस्टाडियो पारके दो साबिया में खेला जा रहा था। मैच के दूसरे हाफ में 54वें मिनट के आसपास विवाद शुरू हुआ। उस समय मामोरे की टीम 3-1 से आगे चल रही थी। टीम का तीसरा गोल होने के बाद उसके खिलाड़ी डावी ने उबरलैंडिया के स्थानापन्न खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की ओर दौड़कर जश्न मनाया। रेफरी फर्नांडो पैट्रिक ड्रोसघिक मोडेस्टो की रिपोर्ट के मुताबिक, डावी का यह व्यवहार उबरलैंडिया के खेमे को उकसाने वाला लगा। इससे नाराज होकर उबरलैंडिया के गोलकीपर प्रशिक्षक पाउलो सर्जियो डायस दोस सैंटोस मैदान में पहुंच गए और डावी से भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। मामला इतना बढ़ा कि दोनों टीमों के स्थानापन्न खिलाड़ी, तकनीकी स्टाफ और प्रबंधन से जुड़े लोग भी मैदान में उतर आए। रेफरी और अन्य अधिकारियों के लिए स्थिति संभालना मुश्किल हो गया।

रेफरी की आधिकारिक रिपोर्ट में बताया गया है कि इस झगड़े में मैदान पर मौजूद 6 गेंद उठाने वाले लड़के भी शामिल हो गए थे। आरोप है कि उन्होंने मामोरे टीम के सदस्यों पर सामान, कुर्सियों और स्ट्रेचर से हमला किया। हालात काबू से बाहर होते देख स्थानीय सैन्य पुलिस को मैदान पर बुलाना पड़ा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। इस पूरी घटना को शांत कराने और मैदान से लोगों को हटाने में करीब 40 मिनट लग गए। फुटबॉल में खिलाड़ियों के बीच बहस और हाथापाई की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं, लेकिन एक ही मुकाबले में इतनी बड़ी संख्या में लाल कार्ड दिखाया जाना बेहद असामान्य है। इस घटना ने मैदान पर खिलाड़ियों, अधिकारियों और आयोजकों की जिम्मेदारी के साथ-साथ युवा फुटबॉल में अनुशासन और सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

## दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो ने की संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली, 5 नवंबर। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। इसके साथ ही पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका 23 साल का शानदार सफर समाप्त हो गया। इस दौरान उन्होंने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं और खुद को फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में स्थापित किया। रोनाल्डो ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी। भावुक संदेश में उन्होंने पुर्तगाल के लिए खेलने के अपने अनुभवों को याद किया।

## सीएसके और एसआरएच के बीच चार खिलाड़ियों की अदला-बदली

नई दिल्ली, 5 नवंबर। इंडियन प्रीमियर लीग 2027 सीजन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चार खिलाड़ियों को लेकर ट्रेड डील हुई है। इस ट्रेड के तहत इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़ गए हैं, जबकि भारतीय तेज गेंदबाज खलील अहमद और ऑस्ट्रेलियाई पेसर नाथन एलिस सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में शामिल हो गए हैं।

## राजस्थान में 235 पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी सरकारी नौकरी, 9 बनेंगे डीएसपी

### आउट ऑफ टर्न नियुक्तियों को राज्य स्तरीय समिति की मंजूरी, 73 पैरा खिलाड़ी भी शामिल

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान सरकार ने पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने की दिशा में बड़ा निर्णय किया है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित राज्य स्तरीय समिति की सातवीं बैठक में 235 सामान्य एवं पैरा पदक विजेता खिलाड़ियों को विभिन्न विभागों में आउट ऑफ टर्न नियुक्तियां देने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें 73 पैरा खिलाड़ी शामिल हैं। दिसंबर 2023 से अब तक राज्य सरकार 187 खिलाड़ियों को ऐसी नियुक्तियां दे चुकी है। बैठक में खिलाड़ियों के 286 नए आवेदनों पर विचार किया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के अनुरूप सम्मान और रोजगार के अवसर समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे प्रदेश के युवाओं को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने पात्र खिलाड़ियों के खेल प्रमाण पत्रों के सत्यापन, लंबित प्रकरणों और पदस्थापन संबंधी बाधाओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

#### 9 खिलाड़ियों को डीएसपी पद पर नियुक्ति

समिति ने श्रेणी-ए में 9 खिलाड़ियों को पुलिस उप अधीक्षक (डीएसपी) बनाने के प्रस्ताव मंजूर किए। श्रेणी-बी में 2 खिलाड़ियों को आबकारी विभाग में पेट्रोलिंग ऑफिसर ग्रेड-द्वितीय और राजस्थान पुलिस में उप निरीक्षक पद पर नियुक्ति की स्वीकृति दी गई। वहीं, श्रेणी-सी में 224 खिलाड़ियों को लिपिक ग्रेड-द्वितीय, कांस्टेबल, आबकारी सिपाही एवं आबकारी आरक्षक तथा उप जेलर के पदों पर नियुक्ति देने के प्रस्ताव मंजूर किए गए। इनमें 73 पैरा खिलाड़ी शामिल हैं।

#### वन विभाग में पदस्थ खिलाड़ियों को भी राहत

बैठक में पूर्व में वन विभाग में नियुक्त खिलाड़ियों की सेवा संबंधी कठिनाइयों और उनके समाधान पर भी चर्चा हुई। इन खिलाड़ियों को नियमों में एकबारीय छूट देने तथा आवश्यकता के अनुसार अन्य विभागों में समायोजित करने पर निर्णय लिया गया। मुख्य सचिव ने खेल विभाग सहित संबंधित विभागों को पदस्थापन और लंबित प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वन आनंद कुमार, युवा मामले एवं खेल प्रवीण गुप्ता, गृह विभाग के भास्कर सावंत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के दिनेश कुमार तथा कार्मिक विभाग की शासन सचिव अर्चना सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# सीनियर टी-20 चैलेंजर में टीम बी और टीम ए की जीत, अंडर-19 चैलेंजर में रक्षित श्रीमाल का शतक

### अंडर-19 चैलेंजर के पहले दिन यथार्थ भारद्वाज ने भी जड़ा शतक, 3 दिवसीय मुकाबलें में बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के तत्वावधान में बीसीसीआई सीनियर टी20 ट्रॉफी (सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी) और बीसीसीआई अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी के लिए संभावित खिलाड़ियों के चयन हेतु जयपुर में आयोजित आरसीए सीनियर टी20 चैलेंजर प्रतियोगिता में गुरुवार को टीम बी और टीम ए ने अपने-अपने मुकाबले जीते। वहीं, आरसीए अंडर-19 चैलेंजर (तीन दिवसीय) प्रतियोगिता के पहले दिन रक्षित श्रीमाल और यथार्थ भारद्वाज ने शानदार शतक लगाए।

#### अंडर-19 चैलेंजरः रक्षित श्रीमाल और यथार्थ भारद्वाज के शतक

तीन दिवसीय अंडर-19 चैलेंजर प्रतियोगिता के पहले दिन टीम ए ने पहली पारी में 332 रन बनाए। यथार्थ भारद्वाज ने शानदार 116 रन की शतकीय पारी खेली। जफर खान ने 69 और आदित्य भाम्भू ने 51 रन बनाए। टीम एफ की ओर से अथर्व सिंह ने 44 रन देकर 4 विकेट लिए। जवाब में टीम एफ ने दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट पर 25 रन बना लिए। टीम डी और टीम सी के बीच खेले जा रहे मुकाबले में टीम डी की पहली पारी 124 रन पर सिमट गई। वंश शर्मा ने 39, गौरव सैनी ने 22 और वर्धान शर्मा ने 20 रन बनाए। टीम सी की ओर से सुमित सैनी और मिरान खान ने 3-3 तथा प्रखर शर्मा ने 2 विकेट लिए। जवाब में



टीम सी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए बिना किसी नुकसान के 186 रन बना लिए। रक्षित श्रीमाल ने नाबाद 111 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि वैभव राजपुरोहित 51 रन बनाकर नाबाद रहे। एक अन्य मुकाबले में टीम ई ने पहली पारी में 236 रन बनाए। यश चौधरी ने 68, चेतन कुमार ने 63 और हितेश शेखावत ने 46 रन का योगदान दिया। टीम बी की ओर से सुमित शर्मा ने 37 रन देकर 3 विकेट तथा प्रतीक चौधरी और गुरमन सिंह ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में टीम बी ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 2 विकेट पर 127 रन बना लिए। हर्षवर्धन सिंह ने 58 और दर्शन ने 30 रन बनाए। टीम बी पहली पारी के आधार पर अभी 109 रन पीछे है।

#### सीनियर टी20 चैलेंजरः टीम बी और टीम ए विजयी

सीनियर टी20 चैलेंजर में टीम बी ने टीम डी को 15 रन से हराया। टीम बी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 175 रन बनाए। रामनिवास गोलाडा ने 58 और कार्तिकेय चौधरी ने 31 रन बनाए। टीम डी की ओर से नीलेश टांक, सव्य गजराज, दिव्य प्रताप सिंह राजपुरोहित और शुभम सिंह ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में टीम डी की टीम 8 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। युवराज सिंह ने 56, दिव्य प्रताप सिंह राजपुरोहित ने 34 और ऋषभ ने नाबाद 23 रन बनाए। टीम बी की ओर से अमन मीणा ने 46 रन देकर 4 विकेट तथा मोहित गुप्ता ने 2 विकेट लिए। एक अन्य मुकाबले में टीम ए ने टीम सी को एक विकेट से रोमांचक शिकस्त दी। टीम सी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 194 रन बनाए। शहबाज खान ने 52, शुभम गढ़वाल ने 47 तथा आदित्य, सलमान और दिव्य ने 25-25 रन का योगदान दिया। टीम ए की ओर से अराफात खान, कन्हैया लाल स्वामी, भारत और भूराराम ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ए ने 9 विकेट खोकर 195 रन बनाते हुए जीत हासिल की। अभिजीत तोमर ने 53, शरद जोशी ने 44 और भवित कुमावत ने 40 रन बनाए, जबकि भूराराम 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

## दिल्ली की जहरीली हवा के आगे झुका बीसीसीआई, 13 दिसंबर को होने वाला भारत श्रीलंका वनडे मैच विशाखापत्तनम शिफ्ट

नई दिल्ली, 5 नवंबर। श्रीलंका के भारत की आगामी होम सीरीज का पहला जनवरी मैच दिल्ली से विशाखापत्तनम ट्रांसफर कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को इस बदलाव की पुष्टि की। 13 दिसंबर को होने वाला यह मैच सबसे पहले अरुणा स्टेडियम में खेला जाएगा, अब विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। डीडीसीए ने बीसीसीआई से संपर्क करके वेन्यू (स्थान) बदलने का अनुरोध किया था। उन्होंने बताया कि दिसंबर में दिल्ली में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान, स्टेडियम में चल रहे नवीनीकरण कार्यों और खराब मौसम की संभावनाओं के कारण वे इस मैच की मेजबानी करने में असमर्थ हैं। एसोसिएशन को चिंता थी कि अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे काम और मौसम की वजह से आ सकने वाली रुकावटों के कारण, मैच के आयोजन में दिक्कतें आ सकती हैं। इसके बाद बीसीसीआई ने इस अनुरोध को मान लिया और सीरीज के पहले मैच के लिए विशाखापत्तनम को नया वेन्यू तय कर दिया। दिसंबर 2026 में भारत के दौरे पर श्रीलंका की टीम तीन वनडे और तीन टी 20 मैच खेलेगी। पहले वनडे को विशाखापत्तनम शिफ्ट कर दिया गया है, जबकि बाकी पांच मैच पहले से तय जगहों पर ही खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज 13 दिसंबर से शुरू होगी, जिसके बाद 22 दिसंबर से टी 20 सीरीज खेली जाएगी।

### रणजी में राजस्थान-हिमाचल मुकाबला ड्रॉ, पहली पारी में हिमाचल को बढ़त

# अंडर-23 अंडर ट्रॉफी में राजस्थान ने बिहार को फॉलोऑन खिलाया, हनी प्रताप सिंह ने झटके छह विकेट

जयपुर, 5 नवंबर। धर्मशाला में मेजबान हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के बीच खेला गया रणजी ट्रॉफी मुकाबला अंतिम दिन ड्रॉ समाप्त हुआ। पहली पारी में बढ़त के आधार पर हिमाचल प्रदेश को अंक मिले। राजस्थान रणजी टीम के मीडिया मैनेजर मनीष शर्मा के अनुसार राजस्थान ने पहली पारी में 78 रन बनाए थे, जिसके जवाब में हिमाचल ने 153 रन बनाकर 75 रन की बढ़त हासिल की।

राजस्थान ने दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 521 रन बनाकर पारी घोषित की। इस तरह हिमाचल को जीत के लिए बड़ा लक्ष्य मिला। अंतिम दिन हिमाचल के कप्तान ने शतकीय पारी खेलकर टीम को हार से बचाया। हिमाचल ने खेल समाप्ति तक दूसरी पारी



में 7 विकेट पर 313 रन बनाए और मुकाबला ड्रॉ रहा।

राजस्थान की ओर से दूसरी पारी में अनिकेत चौधरी ने 63 रन देकर 3, दानिश भाम्भू ने 69 रन देकर 3 तथा साहिल दीवान ने 85 रन देकर 1 विकेट लिया। राजस्थान की ओर से बल्लेबाजी में रोहन राजभर ने शानदार शतक लगाया, जबकि महिपाल लोमरोड़, कुणाल सिंह राठौड़, विशाल हर्ष और कार्तिक शर्मा ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। गेंदबाजी में साहिल दीवान ने पहली पारी में 5 सहित मैच में कुल 6 विकेट, अनिकेत चौधरी ने 6 तथा दानिश भाम्भू ने 5 विकेट हासिल किए।

#### अंडर-23 में राजस्थान ने बिहार को फॉलोऑन खिलाया



जयपुर में राजस्थान और बिहार के बीच खेली जा रही अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी के मुकाबले के तीसरे दिन राजस्थान ने पहली पारी में 8 विकेट पर 552 रन बनाकर घोषित की। इसके जवाब में बिहार की टीम पहली पारी में 246 रन पर सिमट गई। इस तरह राजस्थान ने 306 रन की बढ़त हासिल कर बिहार को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर कर दिया। राजस्थान के गेंदबाज हनी प्रताप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 47 रन देकर 6 विकेट झटके।

उनके अलावा अंकित कुमार, अभिषेक मूंड, नावेद खान और करण सिंह ने 1-1 विकेट लिया। फॉलोऑन खेलते हुए बिहार ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में 3 विकेट पर 186 रन बना लिए थे। राजस्थान की ओर से अभिषेक मूंड ने 60 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। मुकाबले के चौथे दिन राजस्थान की नजरें शेष विकेट हासिल कर जीत दर्ज करने पर रहेंगी।

## नारायणा और जयपुरिया एकेडमी की जीत

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरुवार को खेले गए मुकाबलों में नारायणा एकेडमी ने कैंडलविक एकेडमी को 8 विकेट से तथा जयपुरिया एकेडमी ने राजस्थान यूथ एकेडमी को 6 विकेट से हराया। आरजे-14 ग्राउंड पर खेले गए पहले मुकाबले में कैंडलविक एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्सव शर्मा के 56, कौशलेन्द्र टिकियावल के 52 और आरव शर्मा के 39 रनों की मदद से 42 ओवर में 192 रन बनाए।

# नागौर के बड़ली इलाके में बारूद के गोदाम में भीषण धमाका, दो चचेरे भाइयों की मौत

## जोरदार धमाके से आसपास के मकानों में दरारें आईं, 100 फीट दूर खड़ी बस के शीशे टूटे

**नागौर,** (निसं)। शहर के आवासीय बड़ली इलाके में गुरुवार सुबह बारूद के गोदाम में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि गोदाम की छत उड़ गई और वहां काम कर रहे दो चचेरे भाइयों के शरीर के कई टुकड़े हो गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट होने के बाद धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई।



हादसे के बाद सीओ जतिन जैन ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौका निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 9:40 बजे हुआ। मृतकों की पहचान नागौर शहर के बाजरवाड़ा निवासी 28 वर्षीय मोहम्मद आमिर सौरगर और उनके चचेरे भाई मुजिद सौरगर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी में शॉर्ट सर्किट से आग लगने के बाद बारूद में विस्फोट होने की बात भी सामने आई है। धमाके से आसपास के मकानों को भी नुकसान हुआ है। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घटना स्थल से करीब 100 फीट दूर खड़ी बस के सभी शीशे टूट गए। आसपास के मकानों की दीवारों में दरारें आ गईं और गोदाम की छत की पट्टियां भी नीचे गिर गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाके की आवाज करीब आधा किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जबकि कुछ स्थानीय लोगों ने इसकी गूंज करीब दो किलोमीटर तक सुनाई देने की बात कही। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस, दमकल विभाग की टीमें और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान गोदाम में तलाशी लेकर मृतकों के शरीर के अवशेष एकत्र किए गए। फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम ने घटनास्थल से अलग-अलग रासायनिक पदार्थों और पोटेशियम नाइट्रेट के नमूने जुटाए हैं। गोदाम में मौजूद अन्य सामग्री की भी जांच की जा रही है।

सीओ जतिन जैन ने बताया कि फैक्ट्री के खुले आंगन में बिजली का पोल भी लगा हुआ है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी के कारण विस्फोट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, धमाका किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी वास्तविक वजह एफएसएल जांच और विस्तृत अनुसंधान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

हादसे के करीब डेढ़ घंटे बाद घटनास्थल पर जमा लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने गोदाम के बाहर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने भीड़ को हटाने का प्रयास किया तो कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को मौके से खदेड़ा। घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। कोतवाली पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटे हैं। गनीमत रही की पास ही में बने पटाखे के गोदाम में आग नहीं लगी। वरना आग आसपास के इलाकों को भी चपेट में ले लेती।



मृतक मोहम्मद आमिर सौरगर और मुजिद सौरगर।

- दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, धमाके से आसपास के मकानों को भी नुकसान हुआ
- 'फैक्टरी के खुले आंगन में बिजली का पोल लगा हुआ है, प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी के कारण विस्फोट होने की आशंका जताई'

# मां-बेटे के बैंक खातों से सात लाख रुपए उड़ाए

- ठगों ने थिंक गैस कंपनी का प्रतिनिधि बनकर फोन किया और राशि निकाली

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर में गैस कंपनी के नाम पर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना इलाके के रहने वाले मां-बेटे के बैंक खातों से करीब सात लाख रुपए उड़ा लिए। बेटे का कहना है कि खाते से रुपए कटने की जानकारी मिलने पर उसने अकाउंट ब्लॉक करवा दिया था, इसके बावजूद खाते से पैसे निकलते रहे। पीड़ित परिवार ने मामले को लेकर थाने में शिकायत की है। ठगों ने थिंक गैस कंपनी का प्रतिनिधि बनकर फोन किया और उसके बाद में उनके स्टेट बैंक और एसबीआई बैंक खाते से करीब 7 लाख रुपए निकाल दिए। वहीं मामले में बैंक पर लापरवाही के आरोप भी लगे हैं।

बेटे महिपाल सिंह कर्णावट का आरोप है कि उनके पिता दिलीप सिंह का एसबीआई बैंक ओर दादी लक्ष्मी देवी का पंजाब नेशनल बैंक में खाता है। 3 नवंबर को उनके खाते से 14 बार ट्रांजेक्शन हुए। जिसमें 8 लाख 1 हजार 919 रुपए निकाल दिए गए। इनमें से कुछ रुपए रिफंड हुए हैं। इसकी रिपोर्ट साइबर पोर्टल पर करवाई। पुलिस को पूरा रिकॉर्ड भी दिया है। पिता के नाम वाले खाते से करीब डेढ़ लाख और दादी के नाम वाले एसबीआई खाते से करीब 5 लाख 50 हजार की ठगी हुई है। उन्होंने स्टेट बैंक आफ इंडिया में 3 नवंबर की रात को कॉल कर उसकी कंप्लेंट भी की। खाता ब्लॉक करवाने की कार्रवाई भी करवाई। इसके बावजूद उनके खाते से अगले दिन 4 नवंबर को 41 हजार 213, 48 हजार, 31 हजार 660 और 160 रुपए निकाल दिए गए। ये बैंक की लापरवाही है और इसके खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए।

मामले को लेकर एस आई महेंद्र कुमार ने बताया कि साइबर ठगी की एक जीरो नंबर रिपोर्ट हमारे थाने में प्राप्त हुई। इस पर मामला दर्ज किया गया है। जिसमें परिवादी की ओर से करीब 5 से 7 लाख की साइबर ठगी होना बताया गया है। इस पूरे मामले की एएसआई राणाराम जांच कर रहे हैं।

**एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर ठगी :-** जोधपुर शहर में साइबर फ्रॉड के केस नहीं थम रहे हैं। जीरो नंबर एफआईआर पर कमिश्नरेट पुलिस में धोखाधड़ी के केस दर्ज किए जा रहे है। राजीव गांधी नगर थाने में एक व्यक्ति की रिपोर्ट पर केस दर्ज हुआ है। उसे एपीके फाइल डाउनलोड करवा शातिर ने एक लाख से ज्यादा की ठगी की थी। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि विनायक विहार में बी ब्लॉक में रहने वाले संजय मेहता की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि कुछ दिन पहले ऑनलाइन किसी शातिर द्वारा उससे एपीके फाइल को डाउनलोड कराया गया था। जिसके बाद शातिर ने मोबाइल का एक्सेस लेकर खाते से एक लाख से ज्यादा की राशि पार कर ली। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की तरफ से साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी गई थी।

# समग्र शिक्षा के कनिष्ठ अभियंता के दलाल को 50 हजार की रिश्वत लेते दबोचा

**भीलवाड़ा,** (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भीलवाड़ा-प्रथम ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा (भीलवाड़ा) में पदस्थापित संविदाकर्मी कनिष्ठ अभियंता अनिल भट्ट के दलाल श्रेणीक चौधरी को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।



आरोपी दलाल।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने जानकारी दी कि एसीबी चौकी भीलवाड़ा-प्रथम को एक परिवादी ने शिकायत दी थी। परिवादी की फर्म द्वारा रायपुर पंचायत ब्लॉक में सिविल कार्य करवाए गए थे, जिसके प्रथम रनिंग बिल राशि 8,82,647 रुपये को पास करने के एवज में कनिष्ठ अभियंता अनिल भट्ट अपने दलाल श्रेणीक चौधरी के माध्यम से 50 हजार रुपये रिश्वत और 10 हजार रुपये टेस्टिंग के लिए अलग से मांग रहा था। शिकायत मिलने के बाद एसीबी द्वारा इसका सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान कनिष्ठ अभियंता अनिल भट्ट ने 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि अपने दलाल श्रेणीक चौधरी को देने के लिए कहा था। अजमेर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस नारायण टोगस के सुपरविजन में एसीबी चौकी भीलवाड़ा-प्रथम के उप अधीक्षक पुलिस पारसमल के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस दौरान आरोपी श्रेणीक चौधरी को परिवादी से गर्ग पेट्रोल पंप, रेलवे फाटक के पास, भीलवाड़ा में अपनी स्विफ्ट कार में बैठकर 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। एसीबी टीम ने रिश्वत राशि बरामद कर ली, जिसमें 10 हजार रुपये भारतीय चलन मुद्रा तथा 40 हजार रुपये डमी करेंसी शामिल है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस. परिमला के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ और अग्रिम कार्रवाई जारी है। प्रकरण में कनिष्ठ अभियंता अनिल भट्ट की भूमिका के संबंध में भी गहन जांच की जा रही है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जाएगा।

# सीकर में आरटीओ चालान के नाम पर साइबर ठगी

**सीकर,** (निसं)। सीकर में आरटीओ चालान के नाम पर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। 65 साल के बुजुर्ग ने चालान से जुड़ी एपीके फाइल पर क्लिक किया, जिसके बाद उसके बैंक खाते से 3.71 लाख रुपए निकल गए।

पीड़ित के मुताबिक, रकम निकालने के लिए न तो कोई आया और न ही उसे इसकी जानकारी मिली। पीड़ित बुजुर्ग ने साइबर पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। 65 साल के बुजुर्ग के अनुसार, उनके व्हॉट्सएप पर एक ग्रुप में आरटीओ चालान एपीके फाइल आई थी। उन्होंने इस पर क्लिक कर दिया।

इसके बाद अकाउंट से 3.71 लाख रुपए निकल गए। कोई भी ओटीपी उनके मोबाइल पर नहीं आई। मोबाइल पर जब रुपए कटने का मैसेज आया तो उन्हें इसका पता चला। इसके बाद साइबर पोर्टल और साइबर थाने में मामला दर्ज करवाया गया। बुजुर्ग के अकाउंट से जो राशि निकाली वह एक ही बैंक अकाउंट में जमा हुई है। अब उस बैंक की डिटेल के आधार पर साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साइबर पुलिस के अनुसार, साइबर ठग इस तरह की एपीके फाइल भेजकर मोबाइल को हैक कर लेते हैं और फिर इसके बाद अकाउंट से रुपए निकालते हैं। ऐसी किसी भी फाइल को डाउनलोड नहीं करें।

- बुजुर्ग ने चालान से जुड़ी एपीके फाइल पर क्लिक किया, खाते से 3.71 लाख रुपए निकले

# शराब ठेके में लाभ का प्रलोभन देकर 23.32 लाख की धोखाधड़ी

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड 23 सेक्टर में रहने वाले एक व्यक्ति से कुछ लोगों ने सरकारी शराब ठेके में इंवेस्टमेंट के नाम पर बड़े मुनाफे का प्रलोभन देकर 23.32 लाख की धोखाधड़ी कर ली। पीड़ित ने अब कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से कुछ लोगों को नामजद कर केस दर्ज कराया है।

मामला वर्ष 2020 से शुरू होना बताया गया है। फिलहाल पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करते हुए अब जांच आरंभ की है। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि मूलत: बीकानेर के सूरजपुरा कॉलोनी हाल सेक्टर 23 में अशोक उद्यान के निकट रहने वाले देवेंद्र भाटी ने रिपोर्ट दी।

इसमें बताया कि वह वर्ष 2020 में कुछ लोगों के संपर्क में आया था। उन लोगों ने उसे सरकारी शराब ठेके में इंवेस्टमेंट की बात की और बड़ा मुनाफे का लालच दिया। तब वह आरोपियों के झांसे में आ गया। इसके बाद उसने तकरीबन 23 लाख 32 हजार 100 रूपए उन्हें विभिन्न मदों के तहत दिए। मगर काफी समय गुजरने के बाद भी ना तो प्रोफिट मिला और ना ही दी गई रकम को वापिस लौटाया गया। मामले में जांच एएसआई राणाराम की तरफ से की जा रही है।

- पीड़ित ने इस्तगासे के माध्यम से कुछ लोगों को नामजद कर केस दर्ज कराया, जांच शुरु

## महिला से दुष्कर्म

**जोधपुर,** (कासं)। जिला पश्चिम में एक महिला के साथ परिचित ने चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। उसके अचेत होने के बाद परिचित महिला के गहने आदि चोरी कर ले गया। इस बारे में पीड़िता ने पुलिस में रिपोर्ट दी। घटना 10 अक्टूबर की बताई जाती है। आरोपी से गहने वापिस मांगने पर वह टालमटोल करता रहा। जिला पश्चिम पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने रिपोर्ट दी कि उसका एक परिचित 10 अक्टूबर को घर पर आया था। बाद में चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। अचेत होने पर परिचित उसके गहने आदि चुरा कर ले गया।

# सीकर शहर में मिलावट की आशंका पर 145 किलो रिफाइंड पामोलिन ऑयल और वनस्पति सीज़

**सीकर,** (निसं)। दीपावली पर्व पर आमजन को शुद्ध एवं ताजा खाद्य सामग्री उपलब्ध हो, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार खाद्य वस्तुओं की जांच की जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि गुरुवार को सीकर शहर रींगस फतेहपुर में विभाग की टीमों ने कार्रवाई की। इस दौरान सीकर शहर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नंदराम मीणा, सुनीता यादव, कमलेश मीणा ने सालासर बस स्टैंड स्थित न्यू करणी स्वीट्स होम का निरीक्षण किया। फैक्ट्री में रिफाइंड पामोलिन ऑयल के दो सैम्पल लिए और मिलावट की आशंका पर 90 किलो पामोलिन ऑयल और 55 किलो वनस्पति सीज किया। 30 किलो बदबूदार एवं दूषित चासनी को नष्ट किया, साथ ही संचालक को कमियों में सुधार के लिए नोटिस दिया।

- 30 किलो दूषित चासनी की नष्ट, सुधार के लिए संचालक को नोटिस दिया

इधर, रींगस में खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया, साधना जांगिड़, शुभम कुमार ने खाद्य वस्तुओं की दुकानों का निरीक्षण किया और घी, बेसन लड्डू, सोन पापड़ी, नमकीन के सैंपल लिए। वहीं फतेहपुर क्षेत्र में महमूद अली, तरुण, अम्बिका चौधरी ने कार्रवाई की और नमकीन, चिड़ावा पेड़ा और चमचम का सैंपल लिए। टीमों ने सीकर शहर, रींगस, फतेहपुर में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से खाद्य वस्तुओं के 26 सैम्पल लिए।

# भरतपुर में बेकरी की दुकान में आग लगी

**भरतपुर,** (निसं)। भरतपुर शहर में नगर निगम के पास स्थित सेवा बेकरी में देर रात अचानक भीषण आग लग गई, जिससे बेकरी में रखा लाखों रुपये का तैयार माल और सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। बेकरी मालिक अनिल वासवानी ने बताया कि उनकी मथुरा गेट थाना इलाके स्थित सेवा बेकरी है। कल शाम वह बेकरी को बंद कर घर चले गए थे। बेकरी के अंदर उनकी कुछ दवाएं रह गई रात 12 बजे वह दवाई लेने के लिए आये तब तक आग नहीं लगी थी। रात करीब दो बजे बेकरी के आसपास रहने वाले लोगों ने उन्हें फोन कर बताया कि उनकी बेकरी के अंदर से आग की लपटें निकल रहीं हैं। वह तुरंत अपनी बेकरी पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस और दमकल विभाग को घटना की सूचना दी।

# तेज रफ्तार ट्रेलर ने तीन युवकों को कुचला, दो की मौत, एक गंभीर घायल

## अजमेर-कोटा स्टेट हाइवे पर जगपुरा गांव के निकट बाइक सवारों को टक्कर मारकर ट्रेलर पलटने से हादसा हुआ

**सरवाड़,** (निसं)। अजमेर-कोटा स्टेट हाईवे पर गुरुवार को जगपुरा गांव के निकट भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे बाइक सवार तीन युवकों को अपनी चपेट में ले लिया।

- 20 मिनट की मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से दोनों युवकों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी, हादसे के बाद चालक फरार हुआ



अजमेर-कोटा स्टेट हाइवे पर हुये हादसे में ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया और दो युवक उसके नीचे दब गए। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, सरवाड़ निवासी मोहम्मद फारूक अंसारी और मुस्तकीम अहमद अंसारी गुरुवार सुबह केकड़ी चिकित्सालय जाने के लिए निकले थे। रास्ते में जगपुरा और सूरजपुरा गांव के बीच उन्हें सरवाड़ निवासी नसरुद्दीन पठान मिला। दोनों ने बाइक रोककर उससे बातचीत शुरू कर दी। इसी दौरान केकड़ी की ओर से तेज गति से आ रहा ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और तीनों युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रेलर सड़क पर पलट गया। मोहम्मद फारूक और मुस्तकीम अहमद उसके नीचे दब गए, जबकि नसरुद्दीन उछलकर दूर सड़क पर जा गिरा। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

ट्रेलर के नीचे दबे युवकों को बाहर निकालने के लिए ग्रामीणों ने तत्काल प्रयास शुरू किए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्रेन मंगवाई गई। करीब 20 मिनट तक चले राहत एवं बचाव कार्य के बाद दोनों युवकों को बाहर निकाला गया, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। हादसे के कारण घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल नसरुद्दीन पठान को उपचार के लिए केकड़ी स्थित राजकीय जिला चिकित्सालय भिजवाया। वहीं दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाए गए। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिए गए। दुर्घटना के चलते हाईवे पर जाम लग गया, जिसे पुलिस ने मशक्कत के बाद खुलवाकर यातायात सुचारू करवाया।

हादसे में जान गंवाने वाले मुस्तकीम अहमद अंसारी मदरसा बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालय में अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। दोनों मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हादसे ने परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ट्रेलर चालक शराब के नशे में था और तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। हालांकि, चालक के नशे में होने की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है और चालक की तलाश की जा रही है।

# कमला देवी हत्याकांड : चौथा आरोपी हिरासत में

**भीलवाड़ा,** (निसं)। चर्चित कमला देवी कांकरिया हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लंबे समय से फरार चल रहे चौथे आरोपी कालू को भीमगंज थाना पुलिस ने कोटा से गिरफ्तार कर लिया है।

- वारदात में शामिल सभी चार आरोपी अब गिरफ्तार हो चुके हैं

जानकारी के अनुसार वारदात के बाद से ही आरोपी कालू लगातार पुलिस को चकमा देकर कोटा में छिपकर रह रहा था। बुधवार देर रात जैसे ही पुलिस को उसकी सटीक लोकेशन मिली, भीमगंज थाना पुलिस की विशेष टीम ने कोटा में दबिश देकर उसे धर दबोचा। पुलिस टीम आरोपी को हिरासत में लेकर भीलवाड़ा लौट आई है।

इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी रवि तपड़िया और उसके दो सहयोगियों-हीरा सिंधी व आर्यन को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। कालू की गिरफ्तारी के साथ ही वारदात में शामिल सभी चार आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। पुलिस अब कालू से गहन पूछताछ की तैयारी में है। पुलिस कालू के बयानों का मिलान पहले से जेल में बंद तीनों आरोपियों के बयानों और पुलिस को मिले सबूतों से कराएगी। जरूरत पड़ने पर आमना-सामना भी कराया जा सकता है।


**कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर**
Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner
क्रमांक - राजकाज 25182477 दिनांक :- 23/10/2026
ई - बिड सूचना 17/2026-27
बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, प्राधिकरण एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://lsg.rajasthan.gov.in/bda पर देखा जा सकता है।
UBN No. :- BID2627WSOB00096 - 98
राज.संवाद/सी/26/13002 अधिशाषी अभियन्ता

**कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)**
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106
क्रमांक : नपबा / निर्माण / 2026 / 8266 दिनांक : 02.11.2026
ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 67/2026-27
नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से एलईडी स्ट्रीट लाईट सप्लाई कार्य के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in, पर देखें। कार्य की लागत 49.48 लाख रूपये है तथा UBN No. DLB2627WSOB23453 है।
राज.संवाद / सी / 26 / 13019 आयुक्त नगर परिषद बारां

**राजस्थान आवासन मण्डल**
क्रमांक :- 1179 दिनांक :- 05/11/2026
निविदा सूचना संख्या : 02/2026-27
1. Development of Shopping Center in Sector 17 at Mukta Prasad Ngar, Bikaner 2. Supply of Sign board and Construction of Washroom Ground Water Tank and Electrication Work at Guard Office Shivbari Housing Scheme, Bikaner के कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 10.11.2026 सायं 6:00 बजे से दिनांक 23.11.2026 को सायं 6:00 बजे तक राजस्थान सरकार के पॉर्टल (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) व मण्डल की वेबसाईट http://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।
UBN No. :- RHB2627WSOB00218 & RHB2627WSOB00219
राज.संवाद/सी/26/13041 उप आवासन आयुक्त, वृत्त-बीकानेर

**RAJASTHAN STATE FOREST DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED**
GENERAL MANGAGER, REGIONAL OFFICE, BIKANER
(A Government of Rajasthan Undertaking) Regd. Office: IN FRONT OF LIC OFFICE, JAIPUR ROAD, BIKANER, RAJASTHAN PIN : 334001, Email:-gmbikaner@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- एफ.9 (03) ठेका-नीलामी/मप्र/राराविनिलि/क्षेकाबी/2026/1437 दिनांक :- 03/11/2026
विज्ञप्ति लकडी नीलामी (Corrigendum)
सर्व साधारण विशेषण लकडी के व्यापारियों, प्लाई एवं पेपर मिलों को सूचित किया जाता हैं कि वर्ष 2026-27 हेतु महाप्रबन्धक राजस्थान राज्य वन विकास लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर के क्षेत्राधीन विभागीय विक्रय केन्द्रों पर इमारती तथा जलाऊ लकडी का विक्रय खुली नीलामी के सम्बंध में इस कार्यालय की विज्ञप्ति लकड़ी नीलामी क्रमांक एफ.9 (03) ठेका-नीलामी / मप्र /2026/1244 दिनांक 23.09.2026 राज्य स्तरीय समाचार पत्र में प्रकाशित की गयी थी। उक्त विज्ञप्ति लकड़ी नीलामीमें नीलामी स्थल/विक्रय केन्द्र 26 बीएलडी, दंतौर के स्थान पर 19 KJD, खाजूवाला पढ़े जाने का आंशिक संशोधन किया जाता है। नीलामी तिथिया, समय एवं शर्तें व नियम पूर्व विज्ञप्ति लकड़ी नीलामी के अनुरूप यथावत् रहेगें।
महाप्रबंधक
राज.संवाद/सी/26/13011 राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, बीकानेर

**Office of the Municipal Board Bari (Dholpur) Raj.**
No: MBB /2026/345-348 Date – 29-10-2026
Notice Inviting E- tender E-.58 to 59 /2026-27
Online technical and financial bid in Two stage are invited on behalf of Governor of Rajasthan by Municipal Board Bari.
The bidder/contractors resisted and full fill the required document for the bid and evaluated as the most preferred bidder as per the BID document for respective work, shall be considered for award of contract.
The bidder/contractors who meets the eligibility criteria mentioned in BID and evaluated as the most preferred bidder as per the BID document for respective work, shall be considered for award of contract.

| | |
|---|---|
| Tender Fee (non-refundable) | Rs 1000 (Rupees One Thousand only) |
| Bid Security (refundable) | 2% of estimated cost. |
| Processing Fee (MDRISL JAIPUR) | Rs 500 ( Rupees Five Hundred Only) |
| Publishing Date &Time | 29.10.2026 |
| bid Download start Date & Time | 29.10.2026 From 15.00 Hrs. |
| Websites for downloading bid | http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in |
| bid Submission End Date & Time | 12.11.2026 at 18:00 Hrs on http://eproc.rajasthan.gov.in |
| Technical Bid Opening Date & Time | 13.11.2026 at 15.00 Hrs |
| Financial Bid Opening Date & Time | Will be intimated later to technically responsive bidder |

*Other terms and conditions can be seen and downloaded from www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in
UBN No. – DLB2627WSOB23620
DLB2627WSOB23621
Raj.Samwad/C/26/12993 Executive officer Municipal Board bari

!! दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं !!

# PACIFIC INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

(A CONSTITUENT COLLEGE OF SAI TIRUPATI UNIVERSITY)

## PIMS मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

## में अत्याधुनिक एडवांस रोबोटिक सर्जरी

### जॉइंट रिप्लेसमेंट रोबोट • रोबोटिक सर्जरी • नॉन-सर्जिकल पेन थेरेपी



### CUVIS रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट

हर मरीज के लिए रोबोटिक प्रिसिजन के साथ पर्सनलाइज्ड सर्जरी

- CT आधारित 3D प्लानिंग से इम्प्लांट की स्थिति व कोण का निर्धारण
- 6-एक्सिस रोबोटिक आर्म से ऑटोमैटिक कटिंग, कंपन जैसी मानवीय त्रुटि कम
- सर्जरी के दौरान रियल-टाइम गैप-चेक एवं प्लान में बदलाव की सुविधा



### SSI मंत्रा रोबोटिक सर्जरी

छोटे कट, अधिक सटीकता, शीघ्र रिकवरी

- 32 इंच 3D 4K दृश्य से सर्जन को गहराई का सटीक व्यू
- हृदय, थोरेसिक, जनरल, यूरोलॉजी, स्त्री रोग एवं सिर-गर्दन की सर्जरी
- सर्जन-फ्रेंडली हैंड कंट्रोल एवं हेड-ट्रैकिंग सेफ्टी फीचर



### COOLIEF कूल्ड रेडियोफ्रीक्वेंसी थेरेपी

पुराने दर्द से राहत की मिनिमली इनवेसिव तकनीक

- नॉन-नार्कोटिक (नशीली दवा रहित) प्रक्रिया
- ट्राइजेमिनल न्यूरेल्जिया, घुटना, कमर, गर्दन, कंधा, कूल्हा व सैक्रोइलियक जॉइंट के दर्द में उपयोगी
- फ्लोरोस्कोपी गाइडेंस में सटीक नर्व टारगेटिंग



**डॉ. गौरव जैन**
रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेन्ट एण्ड स्पोर्ट्स सर्जन



**डॉ. एल.एन. मीणा**
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ



**डॉ. अंकित चौहान**
इलिज़ारोव ऑर्थोपेडिक सर्जन एवं स्पोर्ट्स इंजरी विशेषज्ञ



**डॉ. शंशाक रांका**
आर्थ्रोस्कोपिक सर्जन एवं स्पोर्ट्स इंजरी विशेषज्ञ

### कैशलेस सुविधा, किफायती इलाज एवं सभी प्रमुख इंश्योरेंस और हैल्थ इंश्योरेंस

VIDAL HEALTH · STAR Health Insurance · Medi Assist · MAGMA General Insurance Limited · ADITYA BIRLA CAPITAL HEALTH INSURANCE · IndusInd General Insurance · TATA AIG · MD India · ICICI Lombard · Manipal Cigna · IFFCO-TOKIO · Link-K Insurance TPA Pvt Ltd · Liberty General Insurance · Universal Sompo General Insurance · Raksha TPA · United India Insurance · ACKO · Bajaj Life · Generali Central Life Insurance · zuno · Galaxy

पिम्स हॉस्पिटल, उमरडा रेलवे स्टेशन, उदयपुर (राज.) 313015 । संपर्क करें - 0294-3510000

info@pacificmedicalsciences.ac.in www.pacificmedicalsciences.ac.in /pimsudaipur

PIMS MULTI SUPER-SPECIALITY HOSPITAL

7766-80-7766 मीरा नगर, उदयपुर

care@pimscityhospital.com www.pimscityhospital.com /PIMScityhospital

# भाजपा सरकार फैसले लेकर बार-बार पलट रही, इनकी उल्टी गिनती शुरू : सचिन पायलट

## पायलट ने कहा कि, ''केन्द्र सरकार कंफ्यूज्ड और बैकफुट पर हैं, लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है।''

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पंजाब प्रभारी एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से धनतेरस की पूर्व संध्या पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जयपुर स्थित आवास पर मुलाकात कर पंच दिवसीय दीपोत्सव की बधाई दी।

पायलट ने इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि, '' केंद्र की भाजपा सरकार गंभीर मुद्दों पर पहले फैसले करती है और फिर दबाव में उन्हें वापस ले लेती है। कृषि कानून, जातिगत जनगणना और अग्निवीर योजना इसके उदाहरण हैं।

सरकार की इस कार्यशैली से उसकी असहजता और भ्रम की स्थिति उजागर हो रही है। देश में युवाओं में बेरोजगारी, महंगाई और पेपर लीक को लेकर गहरा असंतोष है, जबकि किसान भी परेशान हैं। भाजपा की अब उल्टी गिनती शुरू हो गई है और लोग बदलाव चाहते है।''

जयपुर में मीडिया से बातचीत में पायलट ने कहा कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने डेढ़ साल तक आंदोलन किया, सैकड़ों लोगों की जान गई, तब सरकार को कानून वापस लेने पड़े।

राहुल गांधी लंबे समय से जातिगत जनगणना की मांग कर रहे थे। पहले उन्हें अर्बन नक्सली कहा गया और बाद में सरकार खुद इसके समर्थन में आ गई। अग्निवीर योजना को लेकर भी सरकार को अपने फैसलों में बदलाव करना पड़ रहा है।

सवाल है कि स्थायी सैन्य भर्ती व्यवस्था क्यों बदली गई और अब योजना में बदलाव किस दबाव में किए जा रहे हैं? सरकार न तो फैसला लेने का आधार बताती है और न उसे वापस लेने का कारण।



**कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पंजाब प्रभारी और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से धनतेरस की पूर्व संध्या पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने परिवारजनों के साथ मुलाकात की।**

- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने मीडिया से बातचीत करते हुए कृषि कानूनों, जातिगत जनगणना और अग्निवीर योजना पर केंद्र सरकार को घेरा

### 13.5 करोड़ मतदाताओं के नाम काटने की कोशिश लोकतंत्र पर हमला

सचिन पायलट ने निर्वाचन आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद, फॉर्म-16 में बदलाव और उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के बाद अब सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए 13.5 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से काटने की कोशिश गंभीर मामला है। वोट का अधिकार लोकतंत्र का सबसे मूलभूत अधिकार है। इससे खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग सहित संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है और ईडी, सीबीआई तथा नौकरशाही का दुरुपयोग हो रहा है।

### पंजाब में कांग्रेस-आप के बीच होगा मुकाबला

पंजाब चुनाव पर सचिन पायलट ने कहा कि आम आदमी पार्टी का जहाज डूब रहा है और पार्टी में जल्द बिखराव होगा। सात-आठ राज्यसभा सांसदों के एनडीए में जाने और विधायकों के पार्टी छोड़ने से आप के प्रति लोगों का विश्वास कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि पंजाब में हरित क्रांति, श्वेत क्रांति और आतंकवाद से मुक्ति दिलाने में कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आगामी चुनाव में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच होगा। संगरूर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की रैली को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन के विरोध और बल प्रयोग के बावजूद लाखों लोग पहुंचे।

पायलट ने कहा कि केंद्र में 12 साल से सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा पंजाब को कोई विशेष पैकेज, बड़ा उद्योग या निवेश नहीं दे पाई। पाकिस्तान सीमा से ड्रोन के जरिए आने वाले हथियारों और नशीले पदार्थों को रोकने के लिए भी सरकार को जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को सोशल मीडिया पर चर्चा करने के बजाय अपने नेतृत्व को आत्मचिंतन की सलाह देनी चाहिए। सत्ता का अहंकार छोड़कर सरकार को युवाओं की पीड़ा समझनी चाहिए। राहुल गांधी ने अब तक जो मुद्दे उठाए हैं, वे सच साबित हुए है।

# जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक टाऊनशिप का विस्तार होगा

## 300 हैक्टेयर से अधिक जमीन पर विकसित होंगे नए उद्योग

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (डीएमआईसी) के तहत विकसित हो रहे जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र (जेपीएमआईए) को राजस्थान की विशिष्ट एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप के रूप में तैयार किया जा रहा है। निवेशकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया और विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए इसके उत्तरी हिस्से में 300 हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त क्षेत्र विकसित करने की योजना बनाई गई है। यहां पर्यावरण अनुकूल एवं कम प्रदूषणकारी उद्योगों के साथ आवासीय और भंडारण सुविधाएं भी विकसित होंगी।

रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला की अध्यक्षता में गुरुवार को उद्योग भवन में हुई बैठक में परियोजना की प्रगति, निवेशकों की प्रतिक्रिया और उत्तरी हिस्से के विस्तार की योजना की समीक्षा की गई। बैठक में रीको सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पाली जिले के रोहट में विकसित हो रही इस टाउनशिप में औद्योगिक इकाइयों के साथ आवासीय, वाणिज्यिक, संस्थागत और सामाजिक सुविधाओं का भी नियोजित विकास किया जा रहा है। इसका उद्देश्य उद्योगों, उद्यिमयों, श्रमिकों और उनके परिवारों को एक ही स्थान पर बेहतर सुविधाओं वाला औद्योगिक परिवेश उपलब्ध कराना है। पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन के साथ व्हाइट और ग्रीन श्रेणी के उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

- इस औद्योगिक टाउनशिप से पश्चिमी राजस्थान में निवेश, रोजगार और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद : सुरेश कुमार ओला

उत्तरी हिस्से की विस्तृत योजना शीघ्र अंतिम रूप दी जाएगी। इसके बाद लागत आकलन तैयार कर इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) आधार पर विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएंगे। कार्य पूरा होने पर भूमि निस्तारण नीति के अनुसार भूखंड आवंटित किए जाएंगे।

### 20 नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन

परियोजना के प्रथम चरण में औद्योगिक भूखंडों के आवंटन के लिए निवेशक 20 नवंबर 2026 तक निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। पहले दौर में 30 भूखंड उपलब्ध कराए गए हैं। अगले दौर में और भूखंड आवंटन के लिए खोले जाएंगे। मोटल, रेस्टोरेंट सहित औद्योगिक एवं सामाजिक सुविधाओं के भूखंडों का प्रत्यक्ष आवंटन भी शुरू हो चुका है।

### पानी-बिजली की सुविधाओं पर काम तेज

प्रथम चरण में प्रमुख सड़कों और आधारभूत ढांचे का विकास तेजी से किया जा रहा है। राजीव गांधी लिफ्ट नहर से परियोजना स्थल तक जलापूर्ति व्यवस्था विकसित की जा रही है। वहीं, निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड कांकाणी से परियोजना सीमा तक डबल-बे लाइन बिछा रहा है। रीको विकास कार्यों की नियमित निगरानी कर रहा है।

इस औद्योगिक टाउनशिप से पश्चिमी राजस्थान में निवेश, रोजगार और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

# बार उपाध्यक्ष सुनील शर्मा को पीएचडी की उपाधि



**जयपुर।** निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के उपाध्यक्ष एवं जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के अध्यक्ष सुनील कुमार शर्मा को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।डॉ. सुनील कुमार शर्मा ने ''मानव संसाधन प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता : कानूनी, नैतिक एवं प्रबंधकीय चुनौतियां'' विषय पर डॉ. अनुपमा मिश्रा पांडे के निर्देशन में शोध पूरा किया। शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कानूनी एवं प्रबंधन क्षेत्र में उपयोग, उससे जुड़ी कानूनी, नैतिक और प्रबंधकीय चुनौतियों तथा विभिन्न पहलुओं का गहन विश्लेषण किया गया है। यह अकादमिक उपलब्धि हासिल करने पर बार एसो. के अधिवक्ताओं, परिजनों और शुभचिंतकों ने डॉ. शर्मा को बधाई दीं।

# आरजीएचएस में काम करवाने के नाम पर मांगा 10 लाख रु. कमीशन

- टीपीए इंचार्ज बताकर कोटा के एक निजी हॉस्पिटल प्रबंधन को धमकाकर लाखों रुपए मांगने का मामला सामने आया
- आरोपी ने हॉस्पिटल पर अतिरिक्त पेनल्टी लगवाने और कार्रवाई करवाने की धमकी देकर छह लाख रुपए मांगे थे, जयपुर के अशोक नगर थाने में मामला दर्ज

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** खुद को राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) का टीपीए इंचार्ज बताकर कोटा के एक निजी हॉस्पिटल प्रबंधन को धमकाने और लाखों रुपए मांगने का मामला सामने आया है। आरोपी ने हॉस्पिटल पर अतिरिक्त पेनल्टी लगवाने और कार्रवाई करवाने की धमकी देकर छह लाख रुपए मांगे। वहीं, आरजीएचएस और आयुष्मान भारत योजना में हॉस्पिटल का काम करवाने के नाम पर हर महीने 10 लाख रुपए कमीशन की मांग की। पीड़ित हॉस्पिटल प्रबंधन की शिकायत पर अशोक नगर थाना पुलिस ने जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर मामला कोटा के बोरखेड़ा थाने भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार कोटा पुलिस लाइन के पास स्थित शिव शक्ति हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक ने शिकायत दी कि रोहन सिंह नाम का व्यक्ति उन्हें लगातार फोन कर रहा था। कॉल करने वाले ने खुद को आरजीएचएस टीपीए इंचार्ज बताते हुए कहा कि आरजीएचएस और आयुष्मान योजना से जुड़ी टीपीए की सभी कार्रवाई उसकी टीम देखती है। उसने यह भी दावा किया कि उसके कहने पर हॉस्पिटल का आरजीएचएस टीएमएस ब्लॉक करवाया गया है और वह आगे भी सिस्टम को प्रभावित कर सकता है।शिकायत के मुताबिक आरोपी ने हॉस्पिटल प्रबंधन को बताया कि उनके खिलाफ पेनल्टी निकलवाई गई है और कार्रवाई से जुड़े एक-दो अन्य पत्र भी तैयार हैं। उसने छह लाख रुपए नहीं देने पर एक और कार्रवाई की फाइल आगे बढ़वाने तथा पहले से लगी पेनल्टी पर अतिरिक्त जुर्माना लगवाने की धमकी दी। आरोपी ने कहा कि रकम नहीं देने पर हॉस्पिटल का टीएमएस चालू नहीं होने दिया जाएगा।

# 'भोजन की बर्बादी रोकना भी पर्यावरण संरक्षण'

**जयपुर।** पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली के लिए सतत खाद्य प्रणालियां अपनाना समय की जरूरत है। भोजन की बर्बादी रोकना, स्थानीय एवं मौसमी खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देना और संतुलित आहार अपनाना ऐसे छोटे लेकिन प्रभावी कदम हैं, जिनसे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम किया जा सकता है। यह बात राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल ने बुधवार को मंडल मुख्यालय में आयोजित जागरूकता सत्र में कही। 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह-2026' के चौथे दिन 'सतत खाद्य प्रणालियां अपनाने' विषय पर आयोजित सत्र में राजस्थान हॉस्पिटल की आहार विशेषज्ञ डॉ. अंशु ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को खाद्य आदतों और पर्यावरण के बीच संबंध की जानकारी दी। उन्होंने पौष्टिक एवं संतुलित भोजन, स्थानीय और मौसमी उत्पादों के उपयोग, जरूरत के अनुसार भोजन लेने तथा खाद्य अपव्यय रोकने पर जोर दिया। कपिल चंद्रवाल ने कहा कि खाद्य पदार्थों के चयन से लेकर उनके उपभोग तक जिम्मेदार व्यवहार अपनाना जरूरी है।

# राजस्थान के सरकारी स्कूलों में 5 साल बाद बढ़ा नामांकन, 48358 नए विद्यार्थी जुड़े

## ''शिक्षा सेतु'' अभियान का असर यह रहा कि प्रदेश में कुल नामांकन 72.98 लाख के पार हुआ

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। राजस्थान शिक्षा सेतु अभियान और विभागीय नवाचारों के चलते पांच साल बाद सरकारी स्कूलों में नामांकन में वृद्धि दर्ज की गई है। जुलाई 2026 तक सरकारी विद्यालयों में कुल नामांकन 72,98,854 पहुंच गया, जो वर्ष 2025-26 के 72,50,496 नामांकन से 48,358 अधिक है।

स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव के निर्देशन एवं प्रभावी निगरानी में शिक्षा व्यवस्था को परिणामोन्मुखी बनाने के लिए 'स्टार टीचर' पहल भी शुरू की गई है। इसके तहत 26 अक्टूबर को जारी पहली सूची में आठ सरकारी विद्यालयों के 15 शिक्षकों को राजस्थान के पहले स्टार टीचर के रूप में चुना गया है।

इनमें कॉम्पिटेंसी बेस्ड असेसमेंट (सीबीए) में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले 11 और नवाचारी शिक्षण पद्धितयां अपनाने वाले 4 शिक्षक शामिल हैं।

- उत्कृष्ट परिणाम और नवाचार पर 15 शिक्षक बने पहले ''स्टार टीचर''

चयनित शिक्षकों को डिजिटल प्रमाण पत्र दिए गए हैं और सूची शाला दर्पण पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। अब हर महीने उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन होगा।

### बालिकाओं का नामांकन 4.86 लाख अधिक

सरकारी स्कूलों में कुल नामांकन में 53.3 प्रतिशत यानी 38,92,355 बालिकाएं और 46.7 प्रतिशत यानी 34,06,486 बालक हैं। प्रत्येक 1,000 बालकों पर 1,143 बालिकाएं नामांकित हैं। जिलेवार वृद्धि में बांसवाड़ा 11,939, उदयपुर 9,448, बाड़मेर 5,937, जालोर 5,485 और सिरोही 4,295 नामांकन के साथ आगे रहे हैं।

### हर बच्चे को स्कूल से जोड़ने का अभियान

राजस्थान शिक्षा सेतु अभियान दो चरणों में संचालित किया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक प्रधानाचार्य एक शिक्षक को एक बच्चे की जिम्मेदारी सौंप रहे हैं, जो परिवार से संपर्क कर उसका नामांकन सुनिश्चित करेगा। शाला दर्पण पोर्टल और डैशबोर्ड से निगरानी की जा रही है। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी स्तर पर हर 15 दिन में समीक्षा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रगति की निगरानी और जिला कलेक्टर द्वारा मासिक समीक्षा की जा रही है।अभियान में बालिकाओं, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, प्रवासी, बाल श्रमिक, आदिवासी और घुमंतू समुदाय के बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिन जिलों में नामांकन घटा है, वहां पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले बच्चों की संख्या रोकने के लिए विशेष समीक्षा की जा रही है। इन प्रयासों से प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी और मजबूत बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

# अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान को मिला राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

## भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 का समापन

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। भारत मंडपम में भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 के समापन समारोह में गुरूवार को उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने यह पुरस्कार प्रदान किया। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता तथा ऊर्जा विभाग की संयुक्त सचिव नित्या ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद येसो नाइक, भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार अजय सूद तथा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी की महत्वपूर्ण उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान की अग्रणी भूमिका की सराहना की गई। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में अब तक 51.6 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित हो चुकी है। जिसमें से 28 गीगावॉट क्षमता मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार के विगत 34 माह में ही स्थापित हुई है।

भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सभी राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के मूल्यांकन के लिए नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मूल्यांकन तंत्र विकसित किया है। जिसमें राज्यों के प्रदर्शन के लिए 6 प्रमुख मानक बिन्दु तय किए गए है। इन बिन्दुओं, स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता, इसके विकास के लिए नीतिगत और नियामकीय ईकोसिस्टम तैयार करने, ग्रिड की तैयारी एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप इसके सुदृढीकरण, डिस्कॉम्स के प्रदर्शन तथा निवेश के अनुकुल माहौल के आधार पर राजस्थान का प्रदर्शन श्रेष्ठ राज्य के रूप में रहा। भारत सरकार के नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव श्री संतोष सारंगी ने मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास को लिखे पत्र में भारत के एनर्जी ट्रान्जिशन तथा 500 गीगावॉट हरित ऊर्जा के लक्ष्य की प्राप्ति में राजस्थान के योगदान को महत्वपूर्ण बताया था।

ऊर्जा विभाग की शासन सचिव आरती डोगरा ने इस उपलब्धि पर ऊर्जा विभाग एवं इससे जुड़ी सभी संस्थाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों, समर्पण, प्रतिबद्धता एवं बेहतर समन्वय का परिणाम है।



**भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 के समापन समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने राजस्थान के ऊर्जा विभाग को सम्मानित किया। मंत्री हीरालाल नागर व राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के सीएमडी रोहित गुप्ता तथा संयुक्त सचिव नित्या ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।**

- उपराष्ट्रपति से ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने अधिकारियों के साथ ग्रहण किया पुरस्कार
- नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मूल्यांकन तंत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला अवार्ड

# युवक कांग्रेस के 12 जिला अध्यक्ष और 31 पदाधिकारी निलंबित

**जयपुर (कासं)।** दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की ओर से आयोजित रैली में अनुपस्थित रहने पर राजस्थान युवक कांग्रेस के 12 जिला अध्यक्षों और 31 पदाधिकारी को निलंबित किया गया है। युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु की ओर से जारी आदेश में जिन 12 जिला अध्यक्षों को निलंबित किया गया है, उनमें राजसमंदके जिला अध्यक्ष चिराग पालीवाल, जालौर के जिला अध्यक्ष विकास मंजू, बीकानेर के जिला अध्यक्ष राजेश गोदारा, बारां जिला अध्यक्ष रामेश्वर बेरवा, बांसवाड़ा जिला अध्यक्ष पृथ्वीराज मालवीय, डूंगरपुर जिला अध्यक्ष अरविंद यादव, बीकानेर ग्रामीण जिला अध्यक्ष रामदयाल बेनीवाल, प्रतापगढ़ जिला अध्यक्ष मोहम्मद शकील, बालोतरा जिला अध्यक्ष सुरेश माली, डीग जिला अध्यक्ष हसन खान, चूरू जिला अध्यक्ष आसिफ खान और ब्यावर जिला अध्यक्ष प्रवीण सिखवाल शामिल है। इसी तरह से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु ने राजस्थान युवा कांग्रेस के जिन 31 पदाधिकारी को निलंबित किया है, उनमें प्रकाश चंद मीणा, सद्दाम हुसैन, फैजान हसन कुरैशी, जफर हुसैन मीर, सलमा पीनारा, रामफूल धाकड़, गणेश देवासी, ठाकुर बिश्नोई, मंजुला देसाई, अर्जुन सिंह बोचावत, दीपकमेघवाल, आशीष बेरवा, हिमांशु शर्मा, दिनेश कुमार गुर्जर, सुरेश गोदारा, नवाब खान, संग्राम सिंह गुर्जर, मुजाहिद कुरैशी, हुकमाराम, भारत मीणा, महबूब खान, भेराराम पटेल, गनी एमडी सिंधी, रविकांत, गिरिराज कुमार, हिमांशु धाकड़, सुरेश कुमार गुर्जर, अरविंद योगी, विष्णु कुमार मीणा, आसिफ खान और पवन कुमार जांगिड़ शामिल है।




# ''लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ'' अभियान में मुख्यमंत्री व रेल मंत्री शामिल हुए

## लोकतंत्र की बात करने से पहले कांग्रेस आपातकाल व लोकतंत्र विरोधी इतिहास पर जवाब दे- भजनलाल

जयपुर, 5 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को रामलीला मैदान में ''लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ'' अभियान के तहत जनसभा को संबोधित किया तथा त्रिपोलिया गेट तक आयोजित पदयात्रा में शामिल हुए और आमजन से लोकतंत्र बचाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस को लोकतंत्र की बात करने से पहले अपने कर्मों का जवाब देना चाहिए। वर्ष 1975 में देश पर आपातकाल थोपकर इन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया था। उस दौरान लोकतंत्र सेनानियों को महीनों तक जेलों में रहना पड़ा और उनके परिवारों ने भी भारी पीड़ा और यातनाएं झेलीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए कई राज्यों में सरकारों को बर्खास्त करने का काम किया था।

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कांग्रेस जिस ईवीएम पर सवाल खड़े करती है, उसी से केरल में चुनाव जीतने पर उसे कोई आपत्ति नहीं होती।




*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव गुरूवार को रामलीला मैदान से त्रिपोलिया गेट तक आयोजित ''लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ'' पदयात्रा में शामिल हुए।*

केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और दुष्प्रचार पर सवाल उठाते हुए कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है, बल्कि वर्ष 1947 के बाद कई बार कांग्रेस सहित, विभिन्न सरकारों के कार्यकाल में यह प्रक्रिया अपनाई गई है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध एवं प्रमाणिक बनाना है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस जिस ईवीएम पर सवाल खड़े करती है, उसी से केरल में चुनाव जीतने पर उसे कोई आपत्ति नहीं होती। उन्होंने कांग्रेस को संसद में खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां किसी भी विषय पर तथ्यों और तर्कों के साथ चर्चा की जा सकती है।

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से भाजपा द्वारा पदयात्रा के माध्यम से जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित, अनेक सांसद, विधायक व गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

# दिल्ली के चावड़ी बाजार में निर्माणाधीन इमारत गिरी, 2 की मौत

नई दिल्ली, 05 नवंबर। दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके में गुरुवार सुबह निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हादसे की जांच कराने और ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। उन्होंने घटना स्थल पर पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने संबंधित जूनियर इंजीनियर और असिस्टेंट इंजीनियर को तत्काल निलंबित करने और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने और प्रभावित परिवारों को तत्काल अनुग्रह राशि प्रदान करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

- मुख्यमंत्री ने जूनियर इंजीनियर व असिस्टेंट इंजीनियर को निलम्बित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीमें मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और प्रभावित परिवारों को तुरंत मदद पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं।

दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि जिम्मेदारी संपत्ति मालिकों की भी है। इनमें से कई गलियां मुश्किल से दो से तीन फुट चौड़ी हैं, जिससे आवागमन बेहद मुश्किल हो जाता है। नियमों का खुलेआम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एनडीआरएफ ने घटनास्थल पर तलाशी और बचाव अभियान चलाया।

# हरदीप पुरी राज्यसभा के लिये निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल, 05 नवंबर। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की एक सीट पर उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। गुरुवार को नाम वापसी की समय अवधि समाप्त होने के बाद मध्य प्रदेश विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर उमेश कुमार शर्मा ने उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की गई।

- उनके अलावा नामांकन भरने वाले दो निर्दलीयों के नामांकन पत्र खारिज हो गये।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की राज्यसभा की यह सीट एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी।

इस सीट के लिए हुए उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार हरदीप सिंह पुरी के अलावा, दो निर्दलीय राजकुमार लोहानी और कांते सयन्ना ने भी नामांकन दाखिल किया था। हालांकि, नामांकन की संवीक्षा के दौरान दोनों के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए।

# हिरासत की अवधि कब से ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य है। इसमें गिरफ्तारी के स्थान से अदालत तक पहुंचने में लगने वाले जरूरी समय को शामिल नहीं किया जा सकता।

शीर्ष अदालत ने ओडिशा हाईकोर्ट के आर्यमान पटनायक मामले, मद्रास हाईकोर्ट के कन्नन मामले और केरल हाईकोर्ट के अरुण के. थॉमस मामले में दिए गए उन फैसलों को गलत ठहराया, जिनमें औपचारिक गिरफ्तारी से पहले की हिरासत की अवधि को 24 घंटे की समय-सीमा की गणना से बाहर रखने की अनुमति दी गई थी। बैंच ने स्पष्ट किया कि 24 घंटे की समय-सीमा की गणना करते समय केवल गिरफ्तारी के स्थान से मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले समय को ही अलग रखा जा सकता है। इसके अलावा किसी अन्य अवधि को इससे बाहर नहीं किया जा सकता। बैंच ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को 24 घंटे की निर्धारित अवधि से अधिक समय तक हिरासत में रखा जाता है और उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया जाता, तो उसे तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। बैंच ने यह भी कहा कि हिरासत में लेने वाले अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हिरासत की अवधि उचित सीमा से अधिक न हो, भले ही वह संविधान में निर्धारित 24 घंटे की सीमा के भीतर ही क्यों न हो। फैसले में कहा गया कि न्यायिक मजिस्ट्रेटों को हिरासत में लिए जाने की वास्तविक तारीख और समय दर्ज करना होगा तथा यह स्वतंत्र रूप से जांचना होगा कि संवैधानिक समय-सीमा का पालन किया गया है या नहीं। बैंच ने कहा कि मजिस्ट्रेटों को यह भी देखना चाहिए कि परिस्थितियों के हिसाब से हिरासत की अवधि उचित है या नहीं। यदि हिरासत की अवधि जरूरत से ज्यादा लगती है, तो वे रिमाण्ड देने से इनकार कर सकते हैं।

# तिरुपति लड्डू का मामला आंध्र प्रदेश के बाहर नहीं जायेगा- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 05 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को तिरुपति लड्डू घी मिलावट मामले की सुनवाई आंध्र प्रदेश से बाहर स्थानांतरित करने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बैंच ने इस मामले में आरोपी महाराष्ट्र स्थित डेयरी उद्योग व्यवसायी और मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मछिंद्र शांताराम लंके की याचिकाएं खारिज कर दीं।

- अदालत ने आरोपी डेयरी उद्योग व्यवसायी शांता राम लंके की याचिका खारिज की।

याचिकाकर्ता लंके की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि राजनीतिक नेता मामले के संबंध में लगातार बयान दे रहे हैं, जिससे स्वतंत्र सुनवाई के लिए प्रतिकूल माहौल बन गया है। दवे ने कहा कि यह एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। राज्य में माहौल काफी तनावपूर्ण है।









राष्ट्रदूत ( एच.यू.एफ. ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908